



महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय

चक सकीतरा, कुम्हेर, भरतपुर - 321201

E-mail- vc@msbrijuniversity.ac.in Website - www.msbrijuniversity.ac.in

क्रमांक :- प.4(2)मसूबृवि/बोम/2025/827

दिनांक:- 24/11/2025

दिनांक 21.11.2025 को प्रबन्ध-मण्डल की 24वीं बैठक का कार्यवाही विवरण

माननीय कुलगुरु महोदय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध-मण्डल की 24वीं बैठक दिनांक 21.11.2025 को अपराह्न 02:30 बजे विश्वविद्यालय के चक सकीतरा स्थित परिसर के सभाकक्ष में आयोजित की गई, जिसमें निम्नांकित सदस्यगण उपस्थित रहे-

1. प्रो. त्रिभुवन शर्मा, कुलगुरु, म.सू.बृज विश्वविद्यालय, कुम्हेर, भरतपुर
2. प्रो. जे.पी. शर्मा, पूर्व कुलपति, उदयपुर विश्वविद्यालय माननीय मनोनीत सदस्य, मा. कुलाधिपति एवं राज्यपाल महोदय, (ऑनलाईन)
3. प्रो. चन्द्र शेखर, पूर्व हेड, गणित विभाग, बिरला प्रौद्योगिकी विज्ञान संस्थान पिलानी, माननीय मनोनीत सदस्य, मा. कुलाधिपति एवं राज्यपाल महोदय (ऑनलाईन)
4. डा शैलेश सिंह, माननीय विधायक डीग-कुम्हेर, मनोनीत सदस्य, राज्य सरकार
5. श्री बहादुर सिंह कोली, माननीय विधायक वैर, मनोनीत सदस्य, राज्य सरकार
6. प्रो. एन.के. पाण्डेय, कुलपति, हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर, मनोनीत सदस्य, राज्य सरकार
7. प्रो. राजेश जॉगिड, अर्थशास्त्र विभाग जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, मनोनीत सदस्य, राज्य सरकार (ऑनलाईन)
8. श्रीमति निलिमा तक्षक, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, भरतपुर, प्रमुख सचिव वित्त द्वारा नामित सदस्य
9. प्रो. गिराज सिंह मीना, प्राचार्य राजकीय पी.जी. महाविद्यालय धौलपुर, मनोनीत सदस्य, राज्य सरकार (ऑनलाईन)
10. डॉ. सुरेन्द्र सिंह सिनसिनवार, प्राचार्य, आनन्द शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, भरतपुर, मनोनीत सदस्य, राज्य सरकार
11. श्री च्यवन सिंह जोरवाल, कुलसचिव, सदस्य सचिव

माननीय कुलगुरु महोदय एवं चेयरमेन द्वारा प्रबन्ध मण्डल के समस्त उपस्थित सदस्यों का अभिवादन किया एवं प्रो. एन.के. पाण्डेय, कुलपति, हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर, के कुलगुरु बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दी -

बिन्दु संख्या-1	दिनांक 16.07.2025 को आयोजित प्रबन्ध-मण्डल की बैठक का कार्यवाही विवरण एवं पालना रिपोर्ट अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है। (परिशिष्ट - 1)
निर्णय	कार्यवाही विवरण के सभी बिन्दुओं का प्रबन्ध मण्डल द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
बिन्दु संख्या-2	दिनांक 15.11.2025 को आयोजित निरीक्षण मण्डल की बैठक के कार्यवाही विवरण अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है। (परिशिष्ट - 2)
निर्णय	कार्यवाही विवरण के सभी बिन्दुओं का प्रबन्ध मण्डल द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

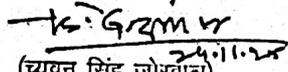
(Handwritten signature)

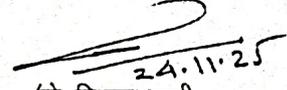
<p>बिन्दु संख्या-3</p>	<p><u>विश्वविद्यालय में महाराजा सूरजमल शोध एवं अध्ययन केन्द्र हेतु महाराजा सूरजमल चेयर की स्थापना के सम्बन्ध में अग्रिम कार्यवाही -</u></p> <p>दिनांक 28.03.2023 को आयोजित प्रबन्ध मण्डल की बैठक में महाराजा सूरजमल चेयर सहित कुल 5 चेयर्स की स्थापना की सैद्धान्तिक अनुमति प्रबन्ध मण्डल के द्वारा प्रदान की जा चुकी है। शोध चेयर्स के लिए कोष/बजट की व्यवस्था हेतु माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं राज्य सरकार को पत्र भी प्रेषित किये गये हैं। तथापि इस बाबत कोई भी बजट/फण्ड राज्य सरकार से आदिनांक तक प्राप्त नहीं हुआ है।</p> <p>अतः विश्वविद्यालय का नाम महाराजा सूरजमल के नाम पर होने एवं महाराजा सूरजमल के भरतपुर के संस्थापक होने के कारण पूर्व में सैद्धान्तिक रूप से स्थापित महाराजा सूरजमल शोध चेयर को सक्रिय व क्रियाशील करने पर विचार किया जाना प्रस्तावित है। जिससे महाराजा सूरजमल चेयर में आधारभूत व्यवस्था एवं स्टाफ की नियुक्ति हेतु प्रविधि तय करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा फण्ड/बजट की व्यवस्था की जा सके। बिन्दु अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।</p> <p style="text-align: right;">(परिशिष्ट - 3)</p>
<p>निर्णय</p>	<p>प्रबन्ध मण्डल के समस्त सदस्यों द्वारा महाराजा सूरजमल शोध चेयर की स्थापना हेतु बिन्दु वित्त समिति के समक्ष प्रस्तुत कर प्रयाप्त फण्ड की व्यवस्था कर आगामी प्रबन्ध मण्डल की बैठक में प्रस्तुत करने हेतु अनुमोदन किया गया है।</p>
<p>बिन्दु संख्या-4</p>	<p>विश्वविद्यालय में कानूनी सलाह हेतु पूर्व में लीगल सलाहकार मनोनीत किए गये हैं किन्तु, लीगल सलाहकार हेतु विश्वविद्यालय द्वारा कोई भी मानदेय निर्धारित नहीं है। अतः लीगल सलाह हेतु विश्वविद्यालय द्वारा आमंत्रित किये जाने पर प्रत्येक विजिट पर विधिक शुल्क रु 1500/- एवं रु. 11/- प्रति किमी. की दर से टी.ए का भुगतान किया जाना प्रस्तावित है। बिन्दु प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।</p>
<p>निर्णय</p>	<p>प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों द्वारा बिन्दु का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।</p>
<p>बिन्दु संख्या-5</p>	<p>(i) विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए आवासीय भवनों के रूप में क्रमशः स्वामी विवेकानन्द पुरुष छात्रावास एवं महारानी किशोरी कन्या छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है। इन भवनों का निर्माण G+5 तय किया गया था। निर्माण कार्य RSRDC द्वारा कराया जा रहा है। परन्तु विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की सीमित संख्या को ध्यान में रखते हुए छात्रावासों के तलों की संख्या को G+2 तक रखा जाना उचित जान पड़ता है। तथापि भवन संरचना को भविष्य की आवासीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए G+5 तक बढ़ाए जाने की गुंजाइश भी रखी जावे। बिन्दु प्रबन्ध-मण्डल के विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।</p> <p>(ii) विश्वविद्यालय प्रांगण में बढ़ते हुए प्रशासकीय कार्यों एवं कार्यालयी स्थान की कमी को ध्यान में रखते हुए अतिथि भवन के सामने बनाए गए रिसेप्शन एवं गार्ड भवन को प्रशासनिक भवन के रूप में उपयोग किए जाने का बिन्दु अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।</p>
<p>निर्णय</p>	<p>(i) प्रबन्ध मण्डल के समस्त सदस्यों द्वारा दोनों छात्रावास के भवन निर्माण को G+2 तक करने का अनुमोदन किया।</p> <p>(ii) प्रबन्ध मण्डल के समस्त सदस्यों द्वारा गार्ड भवन को अकादमिक भवन के रूप में उपयोग करने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।</p>

-k-

निर्णय	प्रबन्ध मण्डल ने इस विषय पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि चूँकि परिक्षकों के विल से वेल्फेयर फण्ड की कटौती की जाती है उसी जगह राशि का लेखा वर्षवार तैयार कर दुर्घटना ग्रस्त परिक्षकों को यथा संभव उनके खर्च के अनुपात में आर्थिक मदद दी जावे, तथा डा.मधु गोदरा एवं अन्य शिक्षक की उडनदरता में जाते समय दुर्घटना में लगी घोट को वेल्फेयर की श्रेणी में माना जाय।
--------	--

सदस्य सचिव श्री च्यवन सिंह जोरवाल द्वारा माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यों को धन्यवाद देते हुए बैठक को समाप्त करने की घोषणा की गई।


(च्यवन सिंह जोरवाल)
कुलसचिव


24.11.25
(प्रो. त्रिभुवन शर्मा)
कुलगुरु

विन्दु संख्या-5	दिनांक 29.07.2025 को आयोजित होने वाले दीक्षान्त समारोह के व्यय/खर्चों पर विचार विमर्श कर निर्णय लिए जाने का अनुमोदन	दिनांक 29.07.2025 को आयोजित होने वाले दीक्षान्त समारोह का आयोजन माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न किया गया। जिसमें राशि. 36,47349/- व्यय की गई।
निर्णय	सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।	
विन्दु संख्या 6	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के ऑर्डिनेस न. 341 एवं माननीय कुलपति महोदय के निर्देशानुसार महाराजा सूरजमल वृज विश्वविद्यालय के प्रबन्ध-मण्डल सदस्यों में से 02 सदस्यों को विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड हेतु मनोनीत किया जाना प्रस्तावित है। विन्दु अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।	प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड हेतु निम्नांकित सदस्यों को मनोनीत किया गया था। इस हेतु कार्यालय आदेश संख्या No.P.4(1)MS BU/Sports/20 25-26/2410 dated 24-09-2025 जारी कर दिया गया है— 1. डा शैलेश सिंह, माननीय विधायक डीग-कुम्हेर, मनोनीत सदस्य, राज्य सरकार 2. डॉ. सुरेन्द्र सिंह सिनसिनवार, प्राचार्य, आनन्द टी.टी. महाविद्यालय, भरतपुर, मनोनीत सदस्य, राज्य सरकार
निर्णय	प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के खेल बोर्ड हेतु निम्नांकित सदस्यों को मनोनीत किया — 1. डा शैलेश सिंह, माननीय विधायक डीग-कुम्हेर, मनोनीत सदस्य, राज्य सरकार 2. डॉ. सुरेन्द्र सिंह सिनसिनवार, प्राचार्य, आनन्द टी.टी. महाविद्यालय, भरतपुर, मनोनीत सदस्य, राज्य सरकार	
विन्दु संख्या 7	विश्वविद्यालय में संविदा शिक्षक के रूप में कार्यरत सुश्री वैष्णवी शाह की अतिथि शिक्षक से संविदा शिक्षक के रूप में नियुक्ति प्रकरण मय जाँच रिपोर्ट एवं जाँच समिति की अनुशांषा सदन के समक्ष रखी गई।	प्रबन्ध मण्डल के द्वारा प्रदत्त निर्देशों की पालना कर ली गई है।
निर्णय	जाँच समिति की अनुशांषा का अनुमोदन करते हुए प्रबन्ध मण्डल द्वारा सुश्री वैष्णवी शाह की संविदा नियुक्ति को निरस्त करने के निर्देश प्रदान किये गए।	



(च्यवन सिंह जोरवाल)

कुलसचिव

4R/2025-1/1

MAHARAJA SURAJMAL BRIJ UNIVERSITY, BHARATPUR

MEETING MINUTES FOR 17th MEETING OF THE
ACADEMIC COUNCIL SCHEDULED ON 3rd April, 2025

S. No.	Subject	Action Taken Report
Item No. 1	To confirm the Minutes of the 16 th meeting of the Academic Council held on 01 st May 2024 and to note the Action Taken thereon.	
Resolution No. 1	The members confirmed their agreements to the minutes of the 16th meeting of the Academic Council held on 01st May 2024	
Item No. 2	To report and approve the syllabi of different courses and Value Added Courses/Skill Enhancement Courses (VAC/SEC) drafted by the concerned Board of Studies (BOSs), the syllabi of the University campus courses started from the academic session 2024-25 and onwards as per the National Education Policy (NEP).	Complied with the resolution of the academic council, syllabi of various courses have been uploaded on the university website as provided by the BOSs.
Resolution No. 2	<p>In the meeting, the Academic Council approved that Value Added Courses/Skill Enhancement Courses (VAC/SEC) as adopted from University of Rajasthan, Jaipur may be continued for the session 2024-25. From next academic session i.e. 2026-27, all these syllabi be framed by the BOS of concerned subjects. The syllabi of the University campus courses be framed by BOS of concerned subjects from the next session.</p> <p>The compiled syllabi of different courses for the academic session 2024-25 were presented to the Academic Council for a detailed review which were then thoroughly discussed about relevance, rigor, and structure of the courses. The Academic Council suggested to ensure that the syllabi are aligned with the guidelines and framework provided by the NEP, and to verify that the syllabi are up-to-date and meets the academic and industry standards.</p> <p>Further, it was suggested by the members that meetings of BOS of all subjects must be conducted latest by 31st May for upcoming session (2025-26) and thereafter be presented before next Academic Council.</p> <p><i>Action: Academic Department of the University & Academic Campus</i></p>	

A

Item No. 3	To report and approve that about 316 research scholars have been registered in academic sessions 2023-24 & 2024-25 commenced simultaneously following University Grants Commission (UGC) norms and University Ordinance. To enhance the quality, updation and novelty of the research and to ensure global recognition, it is proposed to allocate research supervisors/guides affiliated from renowned National and International Universities (wherever necessary), in addition to the supervisors/guides available in the University jurisdiction.	Complied with resolution of academic council the meetings of scrutiny committee are held on following dates:- a) 24/04/25 - Anex. -"B" b) 20/05/25- Anex.- "C" c) 17/06/25 – Anex. –"D" d) 12/09/25 – Anex. – "E"
Resolution No. 3	<p>The details of 316 research scholars were presented to the Academic Council. The Academic Council verified that the research scholars are registered following UGC guidelines and University ordinance. The proposal stating the allocation of supervisors/guides available within the University jurisdiction, along with the supervisors/guides from renowned national and international universities as per the necessity was supported by the members. Academic Council added that this approach will promote interdisciplinary and high-impact research, enhancing the visibility and credibility of research work on a global platform.</p> <p>The members suggested ensuring the compliance of the latest guidelines of UGC in this regard and also as per the University research ordinance, regular guides are available; they shall be recognized as guide/ supervisors only. In case of emergency, if any regular guide/supervisor is unable to guide/supervise a scholar, University teachers appointed at contractual basis may be recognized as co-guide/supervisor.</p> <p>Further, it was suggested that a committee has to be constituted for the scrutiny of the application forms received for registering teachers as research supervisors. The committee may comprise as follows :-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Prof. M.K. Singh, Principal, Govt. College, Bari, Dholpur. 2. Prof. Sujata Chauhan, Principal, R.D. Girls College, Bharatpur. 3. Prof. Mamta Verma, Principal, Govt. College, Saipau, Dholpur. 4. Prof. Yogendra Bhanu, M.S.J. College Bharatpur. 5. Prof. Satish Trigunayat, Rt. from College Education, Rajasthan. <p>Applications should be invited for the registration of supervisor for 10 Days with effect from 09-04-2025 to 18-04-2025. <i>Action: Research Division of the University & Research Advisory Board</i></p>	
Item No. 4	To report and record the matter of Sri Ganga Sharan Girls College, Bharatpur to revoke the de-affiliation orders issued by the University in sake of the academic future of the	Complied with the resolution of the academic council, the order has been



	<p>students of the college in view of reconsideration of the application and the affidavit submitted by the college management regarding fulfilling and complying all affiliation related parameters in due course of time.</p> <p>The college management has also informed the University that it has shifted the college from a rented building to a newly constructed own building and developing the infrastructure as per norms.</p>	<p>issued on 22/05/2025. Annexure – “F”</p>
Resolution No. 4	<p>The Council is of the opinion that while taking action of de-affiliation of Sh. Ganga Sharan Girls College Bharatpur issued on 22.11.2024, the future of students was not well considered whereas in any matter of de-affiliation it is prime to first safe guard the future of the students. Further, the inquiry report submitted to Raj Bhawan must be showing that prima facie de-affiliation is not proper which is perceived by the order of Raj Bhawan issued in respect with suspension of the Vice Chancellor. Therefore, the council is of the opinion that the de-affiliation may be revoked right now to safe guard the interest of students and the college may be asked to submit affidavit in respect with deficiency compliance. As it is unanimously decided at item no. 10 that the colleges not having NOC of the State Government may submit their NOC by 30th of April 2025 failing which their students will either be declared non-collegiate or will be shifted to other colleges as the case may be. Thus, this college is also given the same opportunity with same terms & conditions as detailed in item no. 10. This will also help with meeting out the delay already occurred in respect with session.</p> <p style="text-align: center;"><i>Action: Affiliation & Examination Branch</i></p>	
Item No. 5	<p>To report and record the matter of Shri S.N. College, Halena, Bharatpur, to revoke the order of the then Vice Chancellor of the University of transferring its students to the University as the number of the admitted students in all courses and classes were cross checked with the data of examination forms applied and verified by this college are found within the limit of number of seats allotted in all approved courses as the data retrieved from the Pre & Post Exam firm. The college has PNOC of the State Government and must be taken fairly in view of ensuring that the academic interest of the students is involved and they must not be affected adversely by any decision of the University.</p> <p>While the college will be given a fixed time to comply with norms and regulations of the University regarding affiliation. This has been proposed in view and compliance of the Order No. F.44(1)RB/2024/1596 dated 28.03.2025 issued by the Hon'ble Chancellor of the University regarding suspension of Prof. Ramesh Chandra from the post of Vice Chancellor of the</p>	<p>Complied with the resolution of the academic council, the order has been issued.</p>



	University mentioning that the inquiry is pending in the case of the above-mentioned college under the chairmanship of Divisional Commissioner, Bharatpur.	
Resolution No. 5	<p>In this case, the decision was taken by previous Vice Chancellor to consider the students as University Students without considering the ways and means and number of seats. Further, the committee formed by Raj Bhawan identified it as to be not proper as reflected in order no. F.44(1)RB/2024/1596 dated 28.03.2025 issued by Raj Bhawan in respect with suspension of the Vice Chancellor. Therefore, the Academic Council after detailed discussion decided that since the college has P-NOC and the number of students studying is quite large, therefore, the instruction issued may be revoked and the college may run as usual and may be issued affiliation subject to submission of affidavit in report with compliance of deficiencies. This will also help with meeting out the delay already occurred in respect with session.</p> <p><i>Action: Affiliation & Examination Branch</i></p>	
Item No. 6	<p>To report and seek approval for the decision of the University to present its stand clearly and effectively in the ongoing court cases filed in the Hon'ble High Court by affiliated colleges vide writ petitions 15100/2024, 15113/2024, 15622/2024, 9069/2024, challenging the imposition of GST on Affiliation Fee. The University holds right that the colleges will have to pay GST on affiliation fee as demanded by the GST Department.</p>	<p>Complied with the resolution of the academic council, the order has been issued. The affiliation notification for the session 2025-26 complies with the decision to take GST from colleges.</p>
Resolution No. 6	<p>The cases and details regarding the GST applicability on colleges' affiliation fees charged by the University, as demanded by the GST Department were presented before the Academic Council. After thorough review and consultation, the Academic Council concluded that the University is legally obligated to levy GST on affiliation fees as per the prevailing tax regulations and the affiliated colleges are required to pay GST on affiliation fees as per the demand raised by the GST Department. The Academic Council added that University should present its stand with clarity to Hon'ble High Court, ensuring a robust legal argument in support of the GST levy on affiliation fees. The Academic Council stated that necessary legal representation and documentation must be arranged to defend the University's stance in the aforementioned cases.</p> <p>It was also suggested that if the matter prolongs under sub-judicator, University must submit GST fee to curtail any penalty cases, if applicable.</p> <p><i>Action: Accounts Division, Affiliation Branch and Legal Branch</i></p>	
Item No. 7	<p>To report and seek approval for the University decision to consider the mercy application of Sh. Vishnu Kumar S/o Sh. Ranveer Singh (former student of GIMT College, Bharatpur,</p>	<p>Complied with the resolution of the academic council.</p>

affiliated to MSBU/Batch 2021) to revoke the decision and orders of withdrawal of his Under Graduate Degree as a three members committee of Government College Teachers has recommended to consider the application of the student quite positively as there was no criminal or forgery case registered against the student during his UG degree course and he was not found indulged in any case of misconduct against the authorities and teachers of the University and his college. Also the committee found that the student Mr. Vishnu Kumar wasn't given any fair chance to present his case and point as he wasn't served any show cause notice by the University administration before withdrawing his UG Degree.

Also, Mr. Vishnu Kumar has submitted an affidavit with his mercy application that he would withdraw his litigation filed in the Hon'ble High Court of Rajasthan, Jaipur against the University and that he would not show any desire for any legal action against the University. The committee has also recommended that Mr. Vishnu Kumar must submit in the affidavit that he would withdraw all other previous court cases filed against the University.

**Resolution
No. 7**

The case of degree withdrawal of Sh. Vishnu Kumar was presented and thoroughly discussed with the Academic Council. The Academic Council agreed that the action of degree withdrawal of a student of GIMT college who had passed the course 04 years back, his present social conduct can not be made a basis of such strict action of withdrawing and cancelling his degree in view of a student's career prospects. Also, the Council indicated that the student was not declared 'convicted' in any of police complaints filed against him by the University administration and that the student was never given a Show Cause Notice regarding his conduct.

Consequent to the receipt of mercy application by the student, the University formed a committee of senior members of Government Colleges to review the case, the report of committee was also presented before Academic Council, recommending the revoke of withdrawal of Sh. Vishnu Kumar's degree while receiving an affidavit from the student in respect with withdrawal of the case from the court and no further judicial action from his side in any aspect of the case. The Academic Council accepted the report of the committee and in the light of aforesaid facts recommended to revoke the decision of withdrawal and cancellation of Sh. Vishnu Kumar's BA Degree, is approved by the Academic Council and the orders be issued in this regard.

Action: Academic Department, Examination Branch and Legal

	<i>Branch</i>	
Item No. 8	To report and approve that admission notice/notification for University Campus Courses for the academic session 2025-26 shall be issued in the last week of April, 2025. It is proposed to be published in significant newspapers. Also to approve the publication of the Admission Bulletin for the academic session 2025-26 of the University mentioning the vision, mission, courses being run in the University, eligibility criteria, new addition/updates etc.	Complied with the resolution of the academic council, the admission notification for the academic section 2025-26 was issued & published in the local newspaper of Bharatpur. The Admission bulletin including the vision, mission, courses being run in the university, eligibility criteria and other updates was prepared by a Draft Committee followed by its printing (500 copies) and uploaded on university website was completed successfully.
Resolution No. 8	The Academic Council confirmed their agreement for the proposal that the admission notice/notification for University Campus Courses for the academic session 2025-26 should be issued in the second half of April, 2025. The Academic Council agreed that the publication of the admission notice in significant News Papers will greatly enhance wide publicity and reach to potential candidates. The AC also suggested that other conventional and non-conventional promotional methods like announcements by E-Rickshaw, flex banners, printing and distribution of pamphlets, LED projection at various important places of cities and towns under the jurisdiction of the University should be adopted. <i>Action: Academic Campus of the University</i>	
Item No.9	To report and approve that the names of all those private colleges will be reflected at Online Examination Portal who have submitted an affidavit mentioning that they would comply with all affiliation norms and regulations and that they have been issued NOC from the State Govt of Rajasthan for the year 2024-25.	Complied with the resolution of the academic council, the order has been issued dated:- 17/04/2025. Annexure – "H"
Resolution No. 9	The Academic Council approved the case in interest of students and as it is necessary to coup up with time frame of the session already running very late. Therefore, all private colleges who submit affidavit at stamp papers (Rs. 100/- non-judicial) and have already submitted their NOCs issued by the State Govt of Rajasthan Higher Education Department, may be allowed reflecting at online examination form portal for the convenience of their respective students with issuance of conditional temporary affiliation extension for present session. <i>Action: Affiliation and Examination Branches</i>	
Item No. 10	To report and approve that there are cases of some private colleges who have not been issued NOC of State Govt of Rajasthan due to some delay, are supposed to submit it as soon as possible. Their names will reflect at the Online Examination Portal only when they successfully submit their due NOCs till 30 th April 2025 or before the last date of submission of exam forms (in case it is increased after 30 th April).	The compliance has been made already.
Resolution	The Academic council suggested for all such cases that the session	

No. 10	<p>is already late and the process of examination can't be delayed anymore. Also, the students of these colleges can't be left un-attempted as the University has to consider their right of natural justice. So, all such colleges may be allowed to be reflected at online examination portal conditionally that they will have to submit their NOCs till 30th April 2025, otherwise their students will be declared Non-Collegiate students of the University.</p> <p>In the case of B.Sc., the students shall be shifted either to other colleges (only if vacant seats are available in those colleges in same courses) or to MSBU itself as University's direct campus students.</p> <p style="text-align: center;"><i>Action: Affiliation and Examination Branches</i></p>	
Item No. 11	<p>To report and approve that in view of the NEP and University's ongoing efforts towards NAAC accreditation and UGC 12B registration, the necessary requirements are being followed by the University, including laboratories development, procurement of essential equipment's, apparatus, chemicals, glassware and plastic ware, in accordance with the prescribed parameters.</p>	<p>Complied with the resolution of the academic council, MSBU working for UGC 12B recognition and NAAC accreditation in simultaneous manner. as per the requirement mention to be full field by UGC and NAAC, in its guidelines, the university is in the process of establishing all reburied Academic faculties, infrastructure, administrative formalities and other requirement to UGC get 12B recognition and NAAC accreditation. NAAC portal registration, task force / ragging committees, establishment of IQAC office, IQAC web Portal, on university website, regular Meetings on work related to SSR preparation & 12 B form are major steps taken in this direction.</p>
Resolution No. 11	<p>The details regarding progress in NAAC accreditation and UGC 12B registration, laboratories development, procurement of essential equipments, apparatus, chemicals, glassware and plastic ware were presented and discussed with the Academic Council. The Academic Council provided their approval for the proceedings and formalities for the enhancement of academic and infrastructural progress and development of the University.</p> <p>The Council directed to put up this before the Finance Committee and Board of Management of the University as financial provisions are also involved. The house was informed that the matter had already been put up before Finance Committee and Board of Management of the University and received formal approvals.</p> <p style="text-align: center;"><i>Action: Accounts, Academic Campus and Campus Development Branch</i></p>	
Item No. 12	<p>To report and approve that in view of the NEP and University's steps toward NAAC accreditation and UGC 12B registration, the necessary requirements are being followed by the University including library facility development. The Library of the University will be enriched with multiple</p>	



	<p>relevant course books, research books and journals, along with its modification as a world class reading place with special and advanced facilities of automation such as digitization of books, RFID tagging, scanning and check-in check out system for reduced manual errors and improved accountability. With the availability of approximately 7000 books in the library, 10000 books have been gifted and donated free of cost to the University by Star India Pvt. Ltd Books Firm. In addition, approximately 7000 more relevant course books are under process to be procured through empanelment of books suppliers.</p>	
<p>Resolution No. 12</p>	<p>The proposal and planning to modify and establish modern and digital library in the University was highly appreciated by the Academic Council. According to their opinion, the proposed plan for significant development of Central Library will greatly enhance the academic resources and infrastructural standards of the University. With their approval, the Academic Council agreed that this initiative will significantly contribute to the University's compliance with NAAC accreditation and UGC 12B registration standards, along with providing an advanced learning environment for students and researchers.</p> <p>The Council directed to put up this before the Finance Committee and Board of Management of the University as financial provisions are also involved. The house was informed that the matter had already been put up before Finance Committee and Board of Management of the University and received formal approvals.</p> <p><i>Action: Academic Campus, Library and Campus Development Branch</i></p>	
<p>Item No. 13</p>	<p>To report and approve to establish a fully-furnished and well managed canteen-cum-cafe facility for students to encourage their prolonged stay within the campus to tackle their departure from the campus during lunchtime. A Canteen has been started through a tender and is working in the premises. It is yet to be furnished by the University.</p>	<p>Complied with the resolution of the academic council, the canteen-cum-café is running successfully within the University premises. The University students have shown interest in using this facility and their prolonged stay in the University has been observed, the competent authorities regularly visits & check the quality & facilities provided by the</p>
<p>Resolution No. 13</p>	<p>The Academic Council considered and approved the proposal to establish a fully-furnished and well-managed canteen-cum-café facility for students, as per the provisions made in previous BOM meetings. The Academic Council agreed with the University officials that the implementation of this facility will not only support student welfare but also contribute to a more vibrant academic environment, and encouraging students to remain in campus. The Academic Council also encouraged the concerned authorities to initiate the necessary steps for its establishment at</p>	

	<p>the earliest.</p> <p><i>Action: Campus Development Branch of the University</i></p>	canteen to ensure the standard of food and other facilities.
Item No. 14	<p>To report the construction and establishment of 'Vigyan Bhawan' to be especially raised and built for the conduction of Science Courses under one roof.</p> <p>This magnificent building will have 03 sides with a duplex dome in the front. The frontal face will give a glimpse of European architecture while the building shall have total 08 floors with multiple class rooms and lecture halls, informative reception area, chambers for HoDs, separate and multi functional laboratories for all science departments, incubation centres, staff rooms, auditoriums, conference hall and seminar halls, projector rooms, equipment rooms, 03 meters wide corridors, multiple lifts and facilities earmarked. While the back side shall be left open for future expansion if needed as per requirement of students. The idea of the building has been taken from the building of MIT (Massachusetts Institute of Technology), USA.</p> <p>The concept of 'Vigyan Bhawan' includes the idea of creating knowledge and learning center for science students and research scholars to provide them the lab and research facilities of international standards. This will become one of the finest intellectual centers in the country to provide new scientific concepts and ideas to the world.</p> <p>The layout & site plan, drawings, detailed project report including the estimated cost of the project was presented before the AC. The Estimated Cost has been finalised at Rs 6700.02 Lacs. Primarily the University will try and focus to receive funds for the construction of 'Vigyan Bhawan' from the State Government of Rajasthan.</p>	
Resolution No. 14	<p>The Academic Council received this point as a reporting item and welcomed the proposal and appreciated the idea of raising and building 'Vigyan Bhawan' and consented to establish the same with the recommendation that the decision of the council and proposal be submitted in the meeting of the Board of Management of the University and also has to be reported in the meeting of the Finance Committee of the University. The AC recommended that in case the state Government does not approve the sanctioning of the proposed funds, the University must approach other funding agencies or the Central Government of India.</p> <p><i>Action: Estate and Campus Development Branch of the University</i></p>	
Item No.	To report and approve the construction and establishment of	

15

the joint building of 'Central Library and Faculty of Arts & Social Science' to be raised and built as Academic Building - 2 for the conduction of Arts and Social Science Departments under one roof along with a Central Library Facility.

The location of this building has been earmarked between the Constitution Park and Examination Branch Building. The building has been designed with an arch in the frontal area. The structure will have 05 floors in total and a dome at the top. The front of the building shall be allotted for Central Library while the rear block of the combined building has been proposed for the Academic purpose.

After the completion of this premises, the old Academic Building shall be dedicated for the Institute of Law and Institute of Industry and Commerce including Faculty of Management Studies.

The layout & site plan, drawings, detailed project report including the estimated cost of the project was presented before the AC. The Estimated Cost has been finalised at Rs 4818.18 Lacs.

Resolution
No. 15

The Academic Council received this point as a reporting item and welcomed the proposal and appreciated the idea of raising and building 'Central Library and Faculty of Arts & Social Science' and consented to establish the same with the recommendation that the decision of the council and proposal be submitted in the meeting of the Board of Management of the University and also has to be reported in the meeting of the Finance Committee of the University.

Action: Estate and Campus Development Branch of the University

Item No.
16

As per the approved courses running under various Departments and Institutes of the University by the Academic Council in previous meeting (2023), it is proposed to amend the details for better understanding, interest by the students and to maximize the admissions in coming academic session which are enlisted below:

S. No.	Proposed amendments to be approved by the Academic Council
1	Addition of courses B.Sc. Biotechnology, B. Sc. Microbiology and B.Sc. Biochemistry
2	Shifting of Department of Geography and Department of Geology from Institute of Forensic Science and Criminology to Institute of Applied Social Sciences & Humanities. B.Sc. Honors

Complied with the Resolution of the Academic Council, the admission procedure has been completed on 27/10/2025 the courses offered as per the Admission Prospectus, prepared after the recommendations by the members of Academic Council.

	Geography to be replaced with B.A. Honors Geography.
3	Addition of the course M.Sc. Forensic Sciences under Department of Forensic Science & Criminology
4	Currently mentioned 'Institute of Music' and 'Department of Performing Arts' must be replaced with 'Institute of Performing Arts' must be replaced with 'Department of Music' respectively
5	Inclusion of courses B.A. (H), M.A. and Ph.D. in Drawing & Painting. Currently mentioned course 'B.A. (H) Visual Arts' must be replaced with 'B.V.A.'.
6	Renaming the name of Institute of Pharmaceutical Sciences into Institute of Pharmaceutical Sciences & Medicinal Chemistry .
7	Shifting of Department of Anthropology from Institute of Basic Sciences to Institute of Applied Sciences & Humanities, along with addition of B.Sc. Anthropology
8	Replacement of 'B.Sc. (H) Physical Sciences by B.Sc. Physical Sciences
9	Replacement of B.A. Geography with B.A. (H) Geography
10	Introducing B.A. Pass Course with choice of groups in various subjects of Arts and Social Sciences.
11	Introducing the course B.Sc. Nanomedical Sciences
12	Renaming Institute of Environmental Society is recommended to be replaced by 'Institute of Environmental Studies'
13	Department of Electronics & Communication Engineering should offer 'Ph.D. in Electronics & Communication Engineering'
14	Inclusion of courses B.A. (H) Home Science' and 'B.A.-M.A. Integrated Home Science'
15	Renaming Faculty of Education as 'Faculty of Education, Physical Education & Sports'
16	Replacing the name of Faculty of Social Science with 'Faculty of Economics & Political Sciences'

Resolution No. 16	<p>The Academic Council considered and approved the proposal of change and shift in the Departments/Institute as per more feasibility and rationality of courses except sub point number 15.</p> <p style="text-align: center;"><i>Action: Academic department of the University</i></p>	
Item No. 17	<p>To report and approve the non-conduction/running of some non-responsive courses which could not attract students in last two years as this was recommended by the admission committee also that it is necessary to scrutinize and delete some non-responsive courses from the lists and tabs at Online Admission Portal. These are as follows –</p> <p>List of Courses</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. B.Sc. Honors – Science Technology & Society, Nutrition & Health Education, Applied Life Science with Agro Chemical & Pest Management, Paramedical Sciences, Medical Lab Techniques, Mathematics & Statistics, Analytical Chemistry, Polymer Science, Nanomedical Sc., IT, Economics, Geography, Geology, Remote Sensing 2. B.A. Honors – Buddhist Studies, Computing & Applied Mathematics, Mathematics & Statistics, Computer Science & Philosophy, Human Resource Development, Insurance Management, Marketing Management, Legal Studies, Criminology & Criminal Justice, Policy Making, Art Education, Applied Arts, Sculpture, Economics & Management, History & Economics, Psychology, Philosophy and Linguistics 3. Bachelor in Yogic & Naturopathy Sciences, Bachelor of Business Economics, Bachelor of Business Development, Bachelor of Physical Education, Bachelor of Physical Education and Sports, Bachelor of Sports Management, Bachelor of Applied Exercise Physiology, Bachelor of Physiotherapy, 4. B.Tech. – Food Tech. & Management, Computer Sc. & Engineering, Solar Engineering, Science & Technology, Electrical Engineering, Electronics & Communication Engineering 5. BBA Honors – Real Estate Management, Financial Investment Analysis, Tourism Management, Tourism, Hotel Management & Catering Technology 6. MBA – Real Estate Management, Construction Management, Global Management, Global Business Operation, Hotel Management & Catering Technology 7. BBA-MBA – Hospital Administration 	<p>Complied with the Resolution of the Academic Council. The prospectus was prepared accordingly & the admission was allowed in the running/functional courses only.</p>



	<p>8. M.A. – Policy Making, Buddhist Studies, Yoga, Sports Psychology & Sociology</p> <p>9. BA-MA - Policy Making, Buddhist Studies, Computing & Applied Mathematics, Philosophy, Social Work, Computer Sc. & Philosophy</p> <p>10. Master of Business Economics, Master of Physical Education, Master of Physical Education and Sports, Master of Sports Management, Master of Sports Technology, Master of Physiotherapy, Master in Yogic & Naturopathy Sc.</p> <p>11. M.Sc. – Exercise Physiology & Nutrition, Sports Biomechanics & Kinesiology, Economics, Paramedical Sc., Anthropology, Geology, Nanomedical Sc., Medicinal Chemistry, Remote Sensing</p> <p>12. LLM – Innovation & Technology, Executive</p> <p>13. LLB-LLM - Environmental Law, National & Global Health Law</p> <p>14. PG Diploma - Fitness Management, Yoga Education, Sports Journalism, Disability Sports, Diploma in Sports Event Management,</p> <p>15. Others – Integrated Bachelor & Master in Physiotherapy, BSc-MSc Paramedical Science, BSc-MSc Anthropolgy, BSc-MSc Geology, BSc-MSc Yogic & Naturopathy Sc., MSc-PhD Biomedical Sc., BSc-MSc Nanomedical Sc., MSc-PhD Nanomedical Sc., BSc-MSc Medicinal Chemistry, BSc-MSc Remote Sensing, BTech-MTech Computer Science & Engineering, BSc-MSc IT, BTech-MTech Solar Engineering, Science & Technology; BTech-MTech Electrical Engineering, BTech-MTech Electronics & Communication Engineering, BBA Honors, LLM-PhD, LLB-MPH (Master of Public Health), MBA-LLB, B.Com. – LLB, BBA-LLB, B.Com., M.Tech. - Food Tech., LLB Honors</p>	
<p>Resolution No. 17</p>	<p>The Academic Council considered and approved the proposals of dropping and deleting all such courses which have not attracted students in previous years. The council also suggested to shift Applied Mathematics & Statistics from B.A. (H) to B.Sc. (H).</p> <p><i>Action: Academic department of the University</i></p>	
<p>Item No. 18</p>	<p>To report and approve the syllabi of Multidisciplinary Courses (MDC) for 3rd, 4th and 5th Semesters as per NEP - 2020. The basic framework of these courses have been adopted from the courses of University of Rajasthan, Jaipur</p>	<p>Complied with the Resolution of the Academic Council. The syllabi of various MDC</p>

	in consultation of Conveners of Boards of Studies of respective subjects. The matter has been placed before respective Board of Studies and shall be taken as per their decision.	have been uploaded on the University website.
Resolution No. 18	<p>The syllabi of Multidisciplinary Courses (MDC) for 3rd, 4th and 5th Semesters as per NEP -2020 for the academic session 2024-25 and onwards were presented to the members of the Academic Council for a detailed review. The members discussed thoroughly about relevance, rigor, and structure of the courses. The members confirmed their consent with the remark that the syllabi are aligned with the guidelines and framework provided by the NEP 2020 and should remain as adopted from University of Rajasthan, Jaipur may be continued for the session 2024-25.</p> <p><i>Action: Academic department of the University</i></p>	
Item No. 19	<p>To report and approve that the 5 years Integrated BBA-LLB course was recognized and approved by the Bar Council of India from the session 2018-19. Although, the course hasn't been able to attract any admission till the date while the University has been depositing the due affiliation and approval fee to BCI. In view of 'no admission status' in this course, it is proposed to drop BBA-LLB course to ensure the financial viability and rationality of the course.</p>	Complied with the resolution of the academic council, a letter in this regard has been sent to the BCI.
Resolution No. 19	<p>The Academic Council approved the agenda unanimously in view of the financial viability.</p> <p><i>Action: Academic department of the University</i></p>	
Item No. 20	<p>To report and approve the establishment of the Institute of Foreign Languages to open wide spectrum of knowing and learning various renowned world languages i.e. German, French, Japanese, Korean, Spanish and Chinese for the students of the state and especially of eastern parts of Rajasthan.</p>	Complied with the Resolution of the Academic Council. The proposal for the establishment of the Institute is to be sent to the State Government for
Resolution No. 20	<p>The Academic Council welcomed the proposal and consented to appoint language specialist/experts for the establishment of the Language Institute for creating and nurturing language skills among the local students keeping in view the heritage significance of Bharatpur located at Golden Triangle and as its being a tourist destination for many Bird lovers for Keoladeo National Park for the conservation of endangered bird species like Siberian Cranes. The Academic Council also suggested to hire specialized teachers on contract basis or as guest teachers.</p> <p><i>Action: Academic Department and Academic Campus of the University</i></p>	Perusal and Approval.

Item No. 21	To report the proposal and letter of consent and permission of names sent to Hon'ble Chancellor for conferment of honorary degrees, in recognition of their outstanding contribution towards the well being of human society, other living beings, nature and earth.							
Resolution No. 21	<p>The Academic Council welcomed and appreciated to let the house continue with the graceful tradition of conferring honorary degrees upon the eminent personalities from science, political, educational and literary societies as the names suggested by the members as a letter indicating all above names was sent for the approval of Hon'ble Chancellor and Governor of the Rajasthan by the then Vice Chancellor.</p> <p style="text-align: right;"><i>Action: Vice Chancellor Secretariat</i></p>							
Item No. 22	<p>Regarding Ph.D. programmer running in previous academic sessions, the University proposes following points for consideration and subsequent approval which are enlisted below:</p> <table border="1" data-bbox="252 801 1098 1879"> <thead> <tr> <th data-bbox="252 801 347 891">S. No.</th> <th data-bbox="347 801 1098 891">Proposed amendments to be approved by the Academic Council</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td data-bbox="252 891 347 1227">1.</td> <td data-bbox="347 891 1098 1227">As per UGC Regulations & Guidelines 2009 & 2016 and University Ph.D. Ordinance, the research scholars enrolled in the academic session 2017-18 whose duration of 06 years is over now, they may be allowed for re-registration as per norms. If the research scholar is unable to submit his/her thesis in the stipulated time, the extension of additional 01 year may be granted to submit thesis along with due fee deposition as per norms.</td> </tr> <tr> <td data-bbox="252 1227 347 1879">2.</td> <td data-bbox="347 1227 1098 1879">As per UGC Regulations & Guidelines 2009 & 2016 and University Ph.D. Ordinance, allotment of research supervisors to the Ph.D. scholars enrolled in the academic session 2018-19 was completed in the year 2023. Due to severe circumstances of Covid pandemic and non-working period, the recognized enlisted mentors who were mentoring and suggesting ways of research to scholars from the approved list of supervisors in the University were subsequently continued as research supervisors of the respective scholars by the DRC held in 2023. The research scholars, whose duration of 06 years has completed now, may be allowed for re-registration as per norms. If the research scholar is unable to submit his/her thesis in the stipulated time, extension of additional 01 year can be granted to submit thesis along with fee deposition as per</td> </tr> </tbody> </table>	S. No.	Proposed amendments to be approved by the Academic Council	1.	As per UGC Regulations & Guidelines 2009 & 2016 and University Ph.D. Ordinance, the research scholars enrolled in the academic session 2017-18 whose duration of 06 years is over now, they may be allowed for re-registration as per norms. If the research scholar is unable to submit his/her thesis in the stipulated time, the extension of additional 01 year may be granted to submit thesis along with due fee deposition as per norms.	2.	As per UGC Regulations & Guidelines 2009 & 2016 and University Ph.D. Ordinance, allotment of research supervisors to the Ph.D. scholars enrolled in the academic session 2018-19 was completed in the year 2023. Due to severe circumstances of Covid pandemic and non-working period, the recognized enlisted mentors who were mentoring and suggesting ways of research to scholars from the approved list of supervisors in the University were subsequently continued as research supervisors of the respective scholars by the DRC held in 2023. The research scholars, whose duration of 06 years has completed now, may be allowed for re-registration as per norms. If the research scholar is unable to submit his/her thesis in the stipulated time, extension of additional 01 year can be granted to submit thesis along with fee deposition as per	<p>1) This resolution has been implemented for all the remaining research scholars of Academic Session 2017-18.</p> <p>2) This resolution has been implemented for all the remaining research Scholars of Academic Session 2018-19.</p> <p>3) This resolution has been implemented for all the research Scholar of Academic Session 2017-18.</p> <p>4) This resolution has been implemented and DRC has been conducted on 01/08/2025 for all the (4) candidates.</p> <p>5) This resolution is implemented for guide allotment process of Academic Session 2023-24 & 2024-25.</p> <p>6) This resolution is implemented and no contractual faculty is recognized research</p>
S. No.	Proposed amendments to be approved by the Academic Council							
1.	As per UGC Regulations & Guidelines 2009 & 2016 and University Ph.D. Ordinance, the research scholars enrolled in the academic session 2017-18 whose duration of 06 years is over now, they may be allowed for re-registration as per norms. If the research scholar is unable to submit his/her thesis in the stipulated time, the extension of additional 01 year may be granted to submit thesis along with due fee deposition as per norms.							
2.	As per UGC Regulations & Guidelines 2009 & 2016 and University Ph.D. Ordinance, allotment of research supervisors to the Ph.D. scholars enrolled in the academic session 2018-19 was completed in the year 2023. Due to severe circumstances of Covid pandemic and non-working period, the recognized enlisted mentors who were mentoring and suggesting ways of research to scholars from the approved list of supervisors in the University were subsequently continued as research supervisors of the respective scholars by the DRC held in 2023. The research scholars, whose duration of 06 years has completed now, may be allowed for re-registration as per norms. If the research scholar is unable to submit his/her thesis in the stipulated time, extension of additional 01 year can be granted to submit thesis along with fee deposition as per							



	norms.	supervisor.
3.	Considering COVID-19 as a special condition, special extension of six months duration may be granted by keeping in mind the interest of research scholars and must be granted only for special cases of academic session 2017-18. A period of additional six months may be granted in these cases to submit and complete all the formalities of thesis submission before the award of thesis. There will be no extension afterwards and cannot be considered as an example for future for other cases.	7) This resolution is implemented and only research supervisors are forwarding fellowship bills for Academic Session 2023-24 & 2024-25.
4.	In academic session 2018-19, the cases of six scholars are proposed for special consideration as the DRCs of these scholars are awaited due to non-availability of supervisors in the concerned subjects during the session. Therefore, these cases will be considered in the next DRC with the proposal of their date of registration as the date of allotment of their research supervisors.	8) No such Case is encountered yet.
5.	All the regular faculties in different colleges affiliated to the university can be allowed to act as supervisor/co-supervisor in their respective subject with immediate effect.	9) No MOU regarding research supervisors is signed yet.
6.	The teacher which are qualified and are working as contractual teacher in the university campus can be allowed as co supervisor to support and assist the registered research scholars in their respective subjects. However, if any supervisor is unable or left the university or denied to left the supervisor ship during the course of research the co supervisor would be eligible as supervisor.	10) The meetings of Scrutiny Committees are held on following dates: - a) 24/04/2025. b) 20/05/2025 c) 17/06/2025 d) 12/09/2025
7.	As MSBU is a growing university and considering as special case supervisor/ co supervisor both can sign the fellowship bills and contingency grants of research scholars. Research scholars will work in the laboratories established at the university specially in the faculty of sciences which require well equipped labs for research.	11) This resolution is under process.
8.	Those earlier approved guides of university before admission can also be considered as supervisor till the regular faculty is appointed in university. However, in case the main supervisor left or died or refuses then the internal supervisor may be allowed to submit thesis in the interest of institute.	12) Resolution is Implemented.
9.	In case the local or internal supervisor is not available, the university may sign MoU with various	13) Resolution is Implemented.
		14) Resolution No. 14,15, & 16 is Implemented.
		15) Resolution no. 17 - This agenda point is withdrawn further from A.C. meeting held on 16th July, 2025.

institutions/university existing anywhere in India. University will also invite letter of interest from the willing eligible supervisors from various institutions forwarded by their respective Principals / HOD's.

10. Eligible teachers at UG level as per UGC guidelines may also be considered as research supervisors in special cases.

11. Supernumerary seats over and above can be considered in special cases for already approved supervisors after approvals from Hon'ble Vice Chancellor.

12. Recognition of Research Supervisors for Ph.D. Admissions for the academic session 2023-24 & 2024-25.

13. The number of seats for admission to Ph.D. Programme for the session 2023-24 and 2024-25 were 20 (twenty) respectively.
However the admission process was hampered due to Covid-19, and the last batch admitted to Ph.D. was in Session 2018-19. Also, more students were found eligible in some subject as per UGC Guidelines for admission to Ph.D. Programme and they were considered for provisional admission as they meet eligibility criteria after approvals from competent authority.

14. The list of subjects in which Ph.D.s admission were invited in the academic session 2023-24 & 2024-25 after approval from competent authorities are enclosed herewith as Annexure I.

15. The syllabus of Coursework Examination Session 2023-24 & 2024-25 is attached along with for approvals as Annexure II.

16. The Coursework Examination pattern as per UGC norms is attached for approvals as Annexure III.

17. Candidates who have already done their coursework whether in M.Phil. Or Ph.D. in the same subject from any other recognized University or Institution is exempted from appearing in coursework and its examination.

Resolution
No. 22

S. No.	Proposed amendments as approved by the Academic Council
1.	As per UGC Regulations & Guidelines 2009 & 2016 and University Ph.D. Ordinance, the research scholars



	<p>enrolled in the academic session 2017-18 whose duration of 06 years is over now, they may be allowed for re-registration as per norms. If the research scholar is unable to submit his/her thesis in the stipulated time, the extension of additional 01 year may be granted to submit thesis along with due fee deposition as per norms.</p>	
2.	<p>As per UGC Regulations & Guidelines 2009 & 2016 and University Ph.D. Ordinance, allotment of research supervisors to the Ph.D. scholars enrolled in the academic session 2018-19 was completed in the year 2023. Due to severe circumstances of Covid pandemic and non-working period, the recognized enlisted mentors who were mentoring and suggesting ways of research to scholars from the approved list of supervisors in the University were subsequently continued as research supervisors of the respective scholars by the DRC held in 2023. The research scholars, whose duration of 06 years has completed now, may be allowed for re-registration as per norms. If the research scholar is unable to submit his/her thesis in the stipulated time, extension of additional 01 year can be granted to submit thesis along with fee deposition as per norms.</p>	
3.	<p>Considering COVID-19 as a special condition, special extension of six months duration may be granted by keeping in mind the interest of research scholars and must be granted only for special cases of academic session 2017-18. A period of additional six months may be granted in these cases to submit and complete all the formalities of thesis submission before the award of thesis. There will be no extension afterwards and cannot be considered as an example for future for other cases.</p>	
4.	<p>In the session 2018-19, DRCs of six (06) research scholars from different four (04) subjects could not be conducted due to non-availability of supervisors/ research guides. However a mentor was allocated for these scholars which later became their supervisor respectively and as recognized by the University. The Academic Council suggested that the mentors will have to issue a certificate indicating that they have been guiding and supervising the research work of their respective scholars from the beginning (registration time) of their research work. This shall be</p>	

used as regularization of their research work and Guide allotment process.

Committee also suggested that once the supervisor provides the consent certificate, the DRC should be conducted as soon as possible at the respective research center.

5. The Academic Council approved the agenda unanimously.

6. The Academic Council disapproved the agenda that contractual teachers can become the supervisor/supervisor.

However, if there is any scenario that the allotted supervisor denied to supervise in such cases the contractual faculty of university in the same subject can supervise the work of scholar. A contractual teacher of the University may remain a Co-Supervisor also as and when needed.

7. The Academic Council agreed and said that only Supervisor can sign the fellowship and contingency grants of research scholars.

Research scholars will be allowed to work in the laboratories established at the university especially in the faculty of sciences which require well equipped labs for research.

8. If there is any scenario that the allotted supervisor left or died or refuses to supervise in such cases internal supervisor may be allowed to supervise the thesis in the interest of institute and scholar.

9. The Council approved the agenda of signing the MoU and inviting new application for research supervisor. The date may be decided with the discretion of competent authority.

10. The Academic Council proposed and approved to constitute an internal committee for scrutiny of such applications of the teachers who want to become research guides. The names of this internal committee also were discussed and decided during the meeting which are as follow :

1. Dr. M.K. Singh (Chairman), Principal Govt College Bari, Dholpur

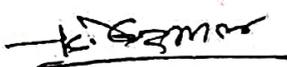
2. Prof. Satish Trigunayat (Retd. from Higher Education)

3. Prof. Sujata Chauhan, Principal, RD Girls Govt. College, Bharatpur.

	<p>4. Dr. Mamta Verma, Principal, Govt College Saipau, Dholpur</p> <p>5. Dr. Yogendra Bhanu, MSJ Govt. PG College, Bharatpur</p>	
	11. Council approved the agenda point for such cases where the number of applicants are more than the approved supervisors and only can be filled with this arrangement.	
	12. Approved and suggested to perform as per the norms.	
	13. Council approved the agenda. Any subject which has more admission than 20 will be considered as per ordinance.	
	14. Approved by the Council as per annexure I attached.	
	15. Approved by the Council as per annexure II attached.	
	16. Approved by the Council as per annexure III attached.	
	17. Approved by the Council.	
	<i>Action: PhD & Research Branch</i>	
Item No. 23	To report and approve the cases discussed and recommended positively by EPMC (Examination Planning & Monitoring Committee) of student named Ms. Madhulika Kumari, D/o Sh. Mohanlal (Roll No. 23409522, Enrolment No. 21/135106) has passed the final year examinations of M.Sc. in the Academic Session 2023-24. The student had passed one theoretical and one practical examination in first year of the course in 2022-23. However, her status was indicated 'Eligible to appear in the Final Year examination' by the Examination Firm despite her failure in three papers. Later the student passed three papers in the academic session 2023-24. There are other four similar cases with the Roll Nos. 23409522, 23409066, 23409068 and 23437002.	Complied with the resolution of the academic council.
Resolution No. 23	The Academic Council decided in the academic interest of the students that in the cases of all Post Graduate Students who had cleared minimum number of Papers, their result may be declared and this shall be applicable to all such same PG cases. Though, the compliance of process as per rules shall be ensured in future. <i>Action: Examination Branch</i>	
Item No. 24	To report and approve the case discussed and recommended positively by EPMC (Examination Planning & Monitoring Committee) of student named Akanksha Badhana, D/o Sh. Brijlal appeared in the examination for M.A. English (final year) with Roll No. 445654 in the Academic Session 2022-23 as a non-collegiate student. The student failed in three papers. However, she had to apply and appear for five papers in the	Complied with the resolution of the academic council.

	<p>Academic Session 2023-24. The student appeared in only three papers with failed result. Currently, her result is prohibited for release. There are other 66 similar cases with the list attached as Annexure.</p>	
Resolution No. 24	<p>The Academic Council decided in the academic interest of the students that in the cases of all Post Graduate Students who had cleared minimum number of Papers, their result may be declared and this shall be applicable to all such same PG cases. Though, the compliance of process as per rules shall be ensured in future.</p> <p><i>Action: Examination Branch</i></p>	
Item No. 25	<p>To report and approve the rules for declaration of UG Semester results, rules for passed/promoted, back-promoted and not-promoted/fail and format of marksheet as per NEP-2020.</p>	Complied with the resolution of the academic council.
Resolution No. 25	<p>The National Education Policy (NEP) 2020 emphasizes the need for a comprehensive and transparent evaluation system. These rules outline guidelines for declaring undergraduate (UG) semester results including the criteria for passing/promotion and non-promotion (failure). The members confirmed their agreement for the attached rules for declaring undergraduate (UG) semester results including the criteria for passing/promotion and non-promotion (failure) and format of marksheet as per NEP-2020.</p> <p><i>Action: Examination Branch</i></p>	
Item No. 26	<p>To report and approve the Constitution of high-level Advisory & Monitoring Committee and Executive Committee for stepwise implementation of NEP-2020.</p>	Complied with the Resolution of the Academic Council, Committee & Sub-Committee have been constituted for the step wise implementation & monitoring of NEP-2020.
Resolution No. 26	<p>The members of the Academic Council confirmed the proposal of Constitution of Executive Committee and Committee of Courses of VAC, SEC & Internship for phased implementation of NEP-2020 at University level. The members of the Academic Council suggested appointing a university Nodal Officer for the same. These Committees will prepare curriculum and credit framework for UG, PG and other programmes.</p> <p><i>Action: Academic Department</i></p>	
Item No. 27	<p>To report and approve the amendments in the fee structure of the courses being run in the University Academic Wing and decrease it in view of negative growth seen in admissions in last two sessions. Therefore, it is proposed to revise Tuition/Semester fee of all courses from a range of 10% to 50% decrease as per the nature of the course. Pass courses already have less tuition fee than Applied courses like Biotechnology, Microbiology, Bio Chemistry, Biomedical Science and others. So, the higher range of reduction shall be</p>	Complied with the Resolution of the Academic Council

	considered and applicable in Applied Courses. (Old Fee Structure Attached)	
Resolution No. 27	The Academic Council approved the agenda item as proposed in view of very less student admissions and in interest of students. <i>Action: Academic Campus</i>	
Item No. 28	To report and approve that the issuance of Affiliation Notification 2025-26 in the month of April with the increase of 10% fee as per orders of Rajbhavan Jaipur.	Complied As per Resolution of A.C Corrigendum of Affiliation Notification for Session-2025-2026 has been issued dated- 12/06/2025.
Resolution No. 28	The Academic Council approved the agenda item as proposed. <i>Action: Affiliation Branch</i>	
Item No. 29	Minutes of EPMC held on 14.10.2024 for the approval of the Academic Council.	
Resolution No. 29	The Academic Council decided considering the academic future of the Students that all the students whose due exam papers are remaining and are yet to be cleared but marksheets with the remark 'PASS' have been issued, then shall be awarded average marks in due papers. Results shall be declared accordingly. Student shall be allowed to take their exam exempting from condition of 02 yrs maximum gap in special cases. <i>Action: Examination Branch</i>	
Item No. 30	The letter no. 6837 dated 25.2.2025 and letter no. 6926 dated 12.03.2025 issued in cases of Chandravati Gurukul Mahila TT College Sesar, Bharatpur and Dau Baba T.T. College Bharatpur for the penalty imposed for the delay and negligence in preparing results of internal marks in previous semester exams. The records were checked by the committee constituted by the University and the committee has made recommendations to allot marks in hard copy/online portal.	Complied with the Resolution of the Academic Council.
Resolution No. 30	The Academic Council approved the recommendation of the committee. <i>Action: Examination Branch</i>	


Registrar

MAHARAJA SURAJMAL BRIJ UNIVERSITY, BHARATPUR

**MEETING MINUTES FOR 18th MEETING OF THE
ACADEMIC COUNCIL SCHEDULED ON 16th JULY, 2025**

S.No.	Subject	ATR
Item No. 1	To report and confirm the Action Taken Report (ATR) of the meeting of the Academic Council held on 03.04.2025. <i>(Annexure I)</i>	
Resolution No. 1	The members confirmed their agreements of the minutes of the 17 th meeting of the Academic Council held on 03.04.2025.	
Item No. 2	<p>To report and seek approval for conferment of Faculty-wise UG and PG Degrees of the Academic Year 2024-25 in the forthcoming Convocation (5th) of the University to be held on 30.07.2025.</p> <p>The details of the faculty-wise degrees are mentioned below:</p> <ul style="list-style-type: none"> a) Ph.D.: 11; 04 more degrees may be awarded as per Viva-Voce schedule fixed till 15th July, 2025 if recommended for the award and subject to the approval of Academic Council. b) Faculty of Arts: UG (22,095) and PG (3853) c) Faculty of Social Science: PG (5410) d) Faculty of Science: UG (1613) and PG (204) e) Faculty of Commerce: UG (338) and PG (313) f) Faculty of Education: UG (6457) and PG (20) g) Faculty of Law: UG (07) <p style="text-align: right;">Grant total: 40,321 <i>(Annexure II)</i></p>	Complied with resolution of academic council. It is cited that in 5 th Convocation held on 29/07/2025 40323 degrees were awarded to students.
Resolution No. 2	The faculty-wise details of 40,321 undergraduate, postgraduate students and Ph.D. scholars were presented before the Academic Council. Till today, 02 more Ph.D. students have been issued Provisional Certificate after their successful Viva-Voce examination Thus, making the figure of Ph.D. scholars for conferment from 11 to 13 and Grand Total from 40,321 to 40,323. The members of the Council discussed and recommended that the student details must be thoroughly pre-verified prior to the conferral of degrees in the upcoming Convocation. The Council members further suggested that the University staff, including	



faculty members, may be assigned the responsibility of meticulous verification of the student records to ensure the accuracy and integrity of the data related to students eligible for receiving degrees in the forthcoming Convocation. The information must be sent to the Governor House.

Action: Examination Branch, Academic Department

Item No. 3

To report and seek following approvals regarding allotment of the research supervisors to the research scholars enrolled in the University:

- i) To report and seek approval for the recommendations of the research supervisor scrutiny committee and list of recognized and approved research supervisors in the following meetings:
- a) Recommendations of the meeting dated 24.04.25
(Annexure III)
 - b) Recommendations of the meeting dated 20.05.25
(Annexure IV)
 - c) Recommendations of the first meeting dated 17.06.25
(Annexure V)
 - d) Recommendations of the second meeting dated 17.06.25
(Annexure VI)

- ii) To report and seek approval for the allotment of research supervisors to research scholars from state/central level Universities after MoU with approval from the Competent Authority due to non-availability of research supervisors within University Jurisdiction in the following subjects with details of registered scholars followed by the decisions made after previous meeting of Academic Council held on 2023:

S. No.	Subject	No. of Registered Scholars
i)	Drawing and Painting	02
ii)	Forensic Science	01

- i) Complied with resolution of academic council, letters have been issued to the concerned applicants.
- ii) No MoU has been signed yet.
- iii & iv) Complied with the resolution of the academic council.
- v) Complied with the resolution of the academic council.
- vi) Complied with the resolution of the academic council.
- vii) No MoU has been signed yet.
- viii) Complied with the resolution of the academic council expert committee has

	iii)	Mass Communication and Journalism	02	been appointed and their meetings are held on following Dates
	iv)	Law	13	
	v)	Library and Information Sciences	13	
	vi)	Yoga and Naturopathy Science	01	
	The details are attached regarding the communication performed with Universities and Institutions for MoU. (Annexure VII)			
	iii)	To report and approve allotment of teachers as research supervisor who meet the eligibility criteria to be allotted as research supervisor as per UGC guidelines- 2022 and are working in University affiliated UG level colleges.		
	iv)	To report and approve allotment of teachers as research supervisor who meet the eligibility criteria to be allotted as research supervisor as per UGC guidelines- 2022 and are working in University affiliated PG level colleges and are working as teaching the specific subject for UG courses.		
	v)	To report and approve research supervisors whose superannuation is in near future and no other research supervisor is available under University jurisdiction, are proposed to be allotted as research supervisor. Although, as per UGC guidelines- 2022: Point No. 06 (05), faculty members with less than three years of service before superannuation shall not be allowed to take new research scholars under their supervision. However, such faculty members can continue to supervise Ph.D. scholars who are already registered until superannuation. These faculty members will be able to work as 3 co-supervisor after superannuation.		
	vi)	In order to make the research smooth and organized, following Government colleges were nominated by Research Supervisor Allotment Committee to establish as research centers in a meeting held on		

	<p>17.06.2025:</p> <ul style="list-style-type: none"> a) M.S.J. College, Bharatpur: Faculties of Arts, Science & Commerce b) R. D. Girls College, Bharatpur: Faculties of Arts, Science & Commerce c) M.A.J. College, Deeg: Faculty of Arts d) Govt. P. G. College, Bayana: Faculty of Arts e) Govt. P. G. College, Dholpur: Faculties of Arts, Science & Commerce f) Govt. College, Bari: Faculty of Arts <p>To report and seek approval to conduct research of scholars registered in academic sessions 2023-24 and 2024-25 in the above-said research centers.</p>	
	<p>vii) To report and seek approval for increasing the number of seats of research scholars under research supervisor for subjects which are lacking available research supervisors as per supernumerary principle.</p>	
	<p>viii) Sub Point No. 17 of Item No. 22 of Academic Council meeting organized on 03.04.25 is hereby withdrawn for the time being in view of it does not exist in UGC Guidelines- 2022.</p>	
<p>Resolution No. 3</p>	<p>(i) The details of the minutes-of-the-meetings dated 24.04.25, 20.05.25 and 17.06.25 regarding allotment of research supervisors to research scholars was presented before the Academic Council. The members of the Council thoroughly discussed and recommended that the allotment of research supervisor must be according to UGC guidelines. The Council members agreed with the decisions taken by the research supervisor scrutiny committee as reported by the presented minutes-of-the-meetings. The Council pointed out at recommendation made by the research supervisor scrutiny committee in the meeting held on 20.05.25 that the teachers who are working under the jurisdiction of this University and have applied for their candidature as research supervisor mentioned at S. No. 7, 8, 9 and 10 are required to submit an Undertaking at a plain paper only instead at Non-Judicial Rs. 100/- stamp. The research supervisor scrutiny committee/University is advised to ensure that Dr. Devendra Singh Panwar whose candidature for supervisor has not been taken for positive consideration as he is research Director is Singhania University. Instead, it must be enquired whether he is being paid for this service or not. Decision must be taken in that view.</p> <p>The Council recommended that teachers of B. Ed colleges who</p>	

	<p>i) Amending the name of course "M.Sc. Economics" to "M.A. Economics"</p> <p>ii) In the Department of Geography, M.Sc. Geography is already running. In view of number of multiple queries received for M.A. Geography, addition of this course is proposed.</p> <p>iii) Addition of (Honors) with B.Sc. Biotechnology, B.Sc. Microbiology & B.Sc. Biochemistry</p> <p>iv) Shifting of B.Sc. (H) and M.Sc. Food Science & Nutrition from Department of Home Science to Department of Foods and Nutrition under Institute of Applied Science, Faculty of Interdisciplinary Science and Institute of Home Science under Faculty of Arts as per the recommendations by the faculty members of concerned Department.</p>	
<p>Resolution No. 4</p>	<p>The members of Academic Council considered and approved the proposals of addition, changes and shifts in the Department/Institutes as per more feasibility and rationality of the courses.</p> <p style="text-align: center;"><i>Action: Academic Department of the University</i></p>	
<p>Item No. 5</p>	<p>(i) To establish Center of Hindu Studies under Institute of Literature, Language and Cultural Studies and Faculty of Arts.</p> <p>(ii) To establish Center of Foreign Languages primarily for Korean and Spanish</p>	<p>Compliance with the Resolution of the Academic Council in the under progress.</p>
<p>Resolution No. 5</p>	<p>The Council members thoroughly discussed about the requirement and benefits of establishing Center of Hindu Studies in the University. The members agreed that the establishment of mentioned Center will support to explore and preserve vast intellectual and cultural tradition, along with providing insights into evolution of religious philosophies, impact of Hindu thought on art and literature, and relevance of spiritual teachings in modern society. The Council members highly encourage the initiative to establish the Center of Hindu Studies in the University.</p> <p style="text-align: center;"><i>Action: Academic Department & Academic Campus of the University</i></p>	
<p>Item No. 6</p>	<p>To report and seek approval for implementation of AEDP as per the guidelines outlined by UGC and NEP- 2020 from the</p>	<p>Under – Process, the resolution</p>

	Academic Session 2025-26. (Annexure VIII)	will be implemented as the University fulfils the eligibility criteria of AEDP
Resolution No. 6	The members of the Academic Council thoroughly discussed about the initiative and supported the implementation of Apprenticeship Embedded Degree Programme (AEDP) in the curriculum, in alignment with the UGC guidelines and NEP-2020. The Council agreed that these proposed courses will encourage industry exposure to students, promote work-integrated learning in higher education institutions (HEIs), academic-industry collaboration for skill development and can bridge the gap between education and employment by making students job-ready. The Council members suggested that the University may direct concerned colleges (NAAC grading, NIRF ranking etc.) about course structure and syllabi to be developed and approved as early as possible for the implementation of AEDP from Academic Session 2025-26. <i>Action: Academic Department of the University</i>	
Item No. 7	To report and seek approval for implementation of B.Voc. Courses as per the guidelines outlined by UGC and NEP- 2020 from the Academic Session 2025-26.(Annexure IX)	B.Voc. Courses are to be implemented as the University fulfils the eligibility criteria for running the courses.
Resolution No. 7	The members of the Academic Council thoroughly discussed about the initiative and supported the implementation of B.Voc. courses in the curriculum, in alignment with the UGC guidelines and NEP-2020. The Council agreed that these proposed courses would encourage the students to develop practical skills, job preparedness and employability. The Council members emphasized that course structure and syllabi must be carefully developed and finalized as early as possible. <i>Action: Academic Department of the University</i>	
Item No. 8	To report and seek approval of inclusion of Indian Knowledge System in curriculum as per NEP- 2020.(Annexure X)	Complied with the resolution of the academic council as per the guidelines outlined by UGC & NEP - 2020
Resolution No. 8	The members of the Academic Council appreciated the initiative and endorsed the inclusion of Indian Knowledge System (IKS) in the curriculum, in alignment with the National Education Policy (NEP)-2020. The Council emphasized that relevant courses and syllabi must be carefully developed and finalized prior to any public announcement or circulation regarding the integration of IKS into the academic curriculum. An Ad-Hoc committee has to be constituted to prepare and provide content to all Board of Studies of the University for this purpose. <i>Action: Academic Department of the University</i>	

Item No. 9	Semester/Tuition Fees for the Academic Session 2025-26 has been decreased and was approved in the Academic Council held on 03.04.2025. Students who took admission in the session 2024-25 have submitted their representation regarding the comparatively double tuition fee structure as they belong to economically weaker sections of the society and find themselves non-benefited by University's decision of decreasing fees. To report and seek approval for giving benefits of fee reduction to these students in their final year semesters.	Complied with the resolution of the academic council.
Resolution No. 9	The Council members discussed about the matter and recommended to provide benefits of fee reduction to the students belonging to these students of the University in their final year semesters to provide fair and equal opportunity. <i>Action: Academic Department of the University</i>	
Item No. 10	To report and seek approval to commence a Certificate Course at graduation level regarding sustainable development and green growth.	The proposal sent to the government for the perusal & approval.
Resolution No. 10	The Council members thoroughly discussed about the requirement and benefits of commencing the Certificate Course of 6 months for sustainable development and green growth at UG level. The members encouraged this initiative and agreed that this will support to ensure the sustained provision of vital natural resources and services essential for life. <i>Action: Academic Department & Academic Campus of the University</i>	
Item No. 11	To report and seek approval for the rules regarding the implementation of NEP- 2020 and rules of examination prepared by the Enforcement Committee of NEP- 2020.	Rules & regulations as prepared by the committee has been placed before the Academic Council has been discussed and implemented.
Resolution No. 11	The rules regarding the implementation of NEP- 2020 and rules of examination prepared by the Enforcement Committee of NEP- 2020 were presented before the members of the Academic Council. After deep discussion, the Council members provided agreement to the rules for implementing NEP- 2020 and examination. <i>Action: Academic Department of the University</i>	



K. G. M. M.
Registrar



महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज.)
कार्यालय - चक सकीतरा, कुम्हेर, भरतपुर - 321201
Email- info@msbrijuniversity.ac.in Website - www.msbrijuniversity.ac.in

क्रमांक :- मसूबूवि / 2025 /

दिनांक :- 15.07.2025

वित्त समिति की बैठक दिनांक 26.03.2025 (Action Taken Report)

S. No.	Subject	कार्यवाही की रिपोर्ट
Agenda No. 1	विश्वविद्यालय के बजट निजी आय-व्यय वर्ष 2024-25 (संशोधित), वर्ष 2025-26 के अनुमोदन बाबत।	
	<p>वर्ष 2024-25 की संशोधित आय 4526.50 लाख रुपये एवं व्यय 10667.57 लाख रुपये अनुमानित हैं। एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5778 लाख रुपये अनुमानित आय एवं 28272.91 लाख रुपये व्यय का अनुमान है।</p> <p>वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुमानित व्यय 28272.91 लाख में क्रमशः वेतन मद में 9914.12 लाख, आवर्ती व्यय 5413.70 लाख एवं पूंजीगत व्यय 12945.09 लाख रुपये होने का अनुमान है।</p> <p>विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किया गया उक्त बजट "वित्तीय अनुमान एवं बजट 2025-26" अवलोकनार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।</p> <p>संलग्न 1 - बुकलेट आय के विरुद्ध व्यय आधिक्य की भरपाई राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान एवं विश्वविद्यालय की संचित निधि से किया जाना प्रस्तावित है।</p>	<p>आय से अधिक व्यय की भरपाई राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान एवं विश्वविद्यालय की संचित निधि से की जायेगी।</p> <p>राज्य सरकार से इस वित्तीय वर्ष में अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है।</p> <p>आय से अधिक व्यय की भरपाई विश्वविद्यालय की संचित निधि से की जा रही है।</p>
निर्णय	बजट का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया तथा व्यय अधिकतम की भरपाई हेतु राज्य सरकार से राशि प्राप्त करने	

—K—

	<p>and seminar halls, projector rooms, equipment rooms, 03 meters wide corridors, multiple lifts and facilities earmarked. While the back side shall be left open for future expansion if needed as per requirement of students. The idea of the building has been taken from the building of MIT (Massachusetts Institute of Technology), USA.</p> <p>The concept of 'Vigyan Bhawan' includes the idea of creating knowledge and learning center for science students and research scholars to provide them the lab and research facilities of international standards. This will become one of the the finest intellectual centers in the country to provide new scientific concepts and ideas to the world.</p> <p>The layout & site plan, drawings, detailed project report including the estimated cost of the project was presented before the AC. The Estimated Cost has been finalised at Rs 6700.02 Lacs. Primarily the University will try and focus to receive funds for the construction of 'Vigyan Bhawan' from the State Government of Rajasthan.</p>	जाना उचित होगा।
निर्णय	वास्तुविद से प्राप्त ड्राइंग व प्रस्ताव अनुसार राशि 67 करोड रूपयों का व्यय विज्ञान भवन निर्माण हेतु स्वीकृत किए जाने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।	
Agenda No. 4	केन्द्रीय लाइब्रेरी निर्माण कार्य हेतु बजट का प्रावधान एवं अनुमोदन बाबत ।	
	To report and approve the construction and establishment of the joint building of 'Central Library and Faculty of Arts & Social Science'	केन्द्रीय लाइब्रेरी एवं अकादमिक भवन संख्या-02

(Handwritten signature)

	<p>to be raised and built as Academic Building – 2 for the conduction of Arts and Social Science Departments under one roof along with a Central Library Facility.</p> <p>The location of this building has been earmarked between the Constitution Park and Examination Branch Building. The building has been designed with an arch in the frontal area. The structure will have 05 floors in total and a dome at the top. The front of the building shall be allotted for Central Library while the rear block of the combined building has been proposed for the Academic purpose.</p> <p>After the completion of this premises, the old Academic Building shall be dedicated for the Institute of Law and Institute of Industry and Commerce including Faculty of Management Studies.</p> <p>The layout & site plan, drawings, detailed project report including the estimated cost of the project was presented before the AC. The Estimated Cost has been finalised at Rs 4818.18 Lacs.</p>	<p>के निर्माण की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी नहीं हुई है। तकमीना एवं भवन का नक्शा अन्तिम रूप दिये जाने के उपरान्त प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की जा सकेगी।</p>
निर्णय	<p>केंद्रीय लाइब्रेरी व अकादमिक-2 के संयुक्त भवन के निर्माण हेतु वास्तुविद के तकमीना अनुसार 48.18 करोड रुपये की व्यय स्वीकृति का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।</p>	

—
—

Agenda No. 5	Table Agenda	
--------------	--------------	--

वित्त समिति की बैठक दिनांक 26.03.2025 के टेबल एजेण्डा (Action Taken Report)

S. No.	Subject	कार्यवाही रिपोर्ट
Item No. 1	To propose and decide a tentative date for 5th Convocation of the University as enquired by the Governor Secretariat. It has been proposed to confer Honorary degrees to the eminent educationists, scientists and researchers of their respective fields. The provision of Rs. 90 Lacs has been proposed for fifth Convocation.	पंचम दीक्षान्त समारोह दिनांक 29.07.2025 को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए सभी निविदाएं प्रक्रियाधीन हैं।
निर्णय	दीक्षान्त समारोह हेतु प्रस्तावित 90 लाख रुपये के व्यय का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।	
Item No. 2	To report and approve that in view of the NEP and University's ongoing efforts toward NAAC accreditation and UGC 12B registration, the necessary requirements are being followed by the University, including laboratories development, procurement of essential equipments, apparatus, chemicals, glassware and plastic ware, in accordance with the prescribed parameters. The provision of Rs. 03 Crores have been proposed for updation and procurement of Lab equipments, chemicals and glass and plastic ware items.	प्रयोगशाला के उपकरण, सामान एवं अन्य सम्बन्धित सामग्री व्यय लगभग 20 लाख रु. के लिए निविदाएं प्रक्रियाधीन हैं।
निर्णय	लैब के उपकरण, सामान व अन्य सामग्री खरीद हेतु 03 करोड रुपये के व्यय की सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।	



Item No. 3	<p>To report and approve that in view of the NEP and University's steps toward NAAC accreditation and UGC 12B registration, the necessary requirements are being followed by the University including library facility development. The Library of the University will be enriched with multiple relevant course books, research books and journals, along with its modification as a world class air cooled reading place with special and advanced facilities of automation such as digitization of books, RFID tagging, scanning and check-in check out system for reduced manual errors and improved accountability. The following financial provisions have been made under various work heads –</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Development of Stair Corridor Area – Rs. 34.23 Lacs 2. Toilet Facility – Rs. 14.20 Lacs 3. Development of Passage Area – Rs. 86.66 Lacs 4. Development of Main Library Area including furniture and book racks – Rs. 73.91 Lacs 5. Development of Multimedia & Library Room – Rs. 53.12 Lacs 6. Development of Computer & Silent Room – Rs. 43.23 Lacs 7. Electric Work including RFID Scanning and Air Conditioning of Library – Rs. 163.00 Lacs 	<p>लाइब्रेरी आधुनिकीकरण हेतु कार्य प्रगति पर है 6.50 करोड़ रु. के सापेक्ष लगभग 2 करोड़ का उपयोग कर लिया गया है। शेष कार्य प्रगति पर है।</p>
निर्णय	लाइब्रेरी आधुनिकीकरण हेतु राशि 6.5 करोड़ रुपये की व्यय स्वीकृति का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।	
Item No. 4	To report and approve that the availability of approximately 7000 books in the library, 10000 books have been gifted and donated free of cost to the University by Star India, New Delhi. In	लाइब्रेरी के लिए पुस्तकें क्रय करने हेतु फर्मों के पैनल बनाने का

— V —

	<p>addition, approximately 7000 more relevant course books have been ordered to be procured through empanelment of vendors. Books costing Rs. 2.03 Crores (approx.) have been procured in the financial year 2024-25.</p> <p>The provision of Rs. 04 Crores have been proposed for purchase of books in the financial year 2025-26.</p>	<p>कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं वर्ष 2024-25 में रु. 1.93 करोड़ की पुस्तकें क्रय करने हेतु आदेश जारी किये गये इनके सापेक्ष रु. 12 लाख की पुस्तकों की आपूर्ति हुई समय पर आपूर्ति नहीं होने के कारण आदेश निषप्रभावी हो चुके हैं।</p>
निर्णय	आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु पुस्तकालय क्रय पर व्यय राशि 04 करोड़ की स्वीकृति का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।	
Item No. 5	राजस्थान सरकार वित्त विभाग के आदेश क्रमांक No. F.1(12)FD(Rules)/2005 Jaipur, dated: 06.02.2009 के अन्तर्गत राज्य कार्मिकों को एक वित्तीय वर्ष ब्लॉक में 15 दिवस के उपार्जित अवकाश का नकद भुगतान किये जाने के संबंध में जारी प्रावधान अनुमोदनार्थ।	एक वित्तीय वर्ष में 15 दिवस के उपार्जित अवकाश के भुगतान का प्रावधान है।
निर्णय	प्रकरण मार्गदर्शन हेतु वित्त विभाग को भेजे जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।	
Item No. 6	विश्वविद्यालय में सेवानिवृत्त राजकीय कार्मिक श्री विजेन्द्र सिंह द्वारा विश्वविद्यालय में कैशियर के पद पर रहते हुए 24,74,775/- रुपये के अपहरण की जांच के संबंध में	विश्वविद्यालय स्तर से कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।

rk

	<p>माननीय कुलपति द्वारा कराई गई प्रारम्भिक एवं विस्तृत विशेष जांच जो कि क्रमशः बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी, उत्तर प्रदेश के सेवानिवृत्त वित्त अधिकारी श्री वसी मोहम्मद एवं मै. प्रेम गुप्ता एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकाउण्टेंट नई दिल्ली द्वारा पृथक-पृथक की गई हैं। उक्त दोनो रिपोर्ट माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल महोदय को पूर्व में ही कुलपति जी के द्वारा प्रेषित कर दी गई हैं। दोनो रिपोर्ट वित्त समिति के समक्ष अवलोकनार्थ एवं अग्रिम कार्यवाही के निर्देश हेतु प्रस्तुत।</p>	<p>प्रकरण में सम्बन्धित कौशियर के विरुद्ध एफ. आई.आर. दर्ज की जा चुकी है तथा अब प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं।</p>
<p>निर्णय</p>	<p>कुलपति महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि जांच रिपोर्ट माननीय कुलाधिपति महोदय के अवलोकनार्थ व अग्रिम कार्यवाही के आदेशार्थ राजभवन प्रेषित कर दी गयी है। इसी क्रम में वित्त समिति द्वारा माननीय कुलाधिपति के निर्णय अनुसार कार्यवाही की जाने की अनुशंसा की गई।</p>	

K. G. G. G.
नियंत्रक वित्त

कुलपति



महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज.)

कार्यालय - चक सकीतरा, कुम्हेर, भरतपुर - 321201

Email- info@msbrijuniversity.ac.in Website - www.msbrijuniversity.ac.in

क्रमांक :- मसूबूवि/2091

दिनांक :- 20/11/25

दिनांक 15.07.2025 को आयोजित वित्त समिति
(ACTION TAKEN REPORT)

S. No.	Subject	
Agenda No.1	विगत वित्त समिति दिनांक 26.03.2025 की पालना रिपोर्ट के अनुमोदन बाबत।	पालना रिपो बॉग के सग अनुमोदनार्थ र दी गई है
	विगत वित्त समिति दिनांक 26.03.2025 के एजेन्डा संख्या 01 एवं एजेन्डा संख्या 03 को इस वित्त समिति में संशोधन हेतु पुनः प्रस्तावित किया है। एवं उक्त एजेन्डा बिन्दुओं को छोड़कर अन्य बिन्दुओं की पालना रिपोर्ट वित्त समिति के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।	
निर्णय	गत बैठक के एजेन्डा संख्या 01 पर अंकित वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान एवं एजेन्डा संख्या 03 विज्ञान भवन का निर्माण पर सर्वसम्मति से संशोधन हेतु सहमति दी गयी। शेष बिन्दुओं की पालना रिपोर्ट का अनुमोदन किया गया।	
Agenda No.2	संशोधित बजट के अनुमोदन बाबत।	संशोधित बजट अनुर कार्यवाही जा रही है।
	विगत वित्त समिति 26.03.2025 में 5778 लाख रुपये अनुमानित आय एवं 28272.91लाख रुपये के व्यय अनुमान को संशोधित कर क्रमशः 57.78 लाख एवं 12415 लाख रुपये किया जाना प्रस्तावित है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में संशोधित अनुमानित व्यय 12415 लाख में क्रमशः वेतनमद 685.33 लाख, आवर्ती व्यय 2784.67 लाख एवं पूंजीगत व्यय 8945.09 लाख रुपये होने का अनुमान है। मूल बजट के वेतन अनुमान में से नयी प्रस्तावित 1125 शैक्षिक पदों एवं 206 अशैक्षणिक पदों के व्यय की कटौती की गयी है आवर्ती व्यय के मूल बजट से	

	<p>नये प्रस्तावित विभागों के व्यय की कटौती की गयी है एवं पूंजीगत व्यय के मूल बजट से विज्ञान भवन पर प्रस्तावित व्यय की कटौती की गयी है। चूंकि विगत बैठक में प्रस्तावित 1125 शैक्षणिक एवं 206 अशैक्षणिक पदों की सरकार के स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने की कोई संभावना प्रतीत नहीं हो रही है अतः नवीन संशोधित व्यय अनुमान 12415.09 लाख रुपये का अनुमोदन किया जाना प्रस्तावित है।</p>	
<p>निर्णय</p>	<p>नवीन संशोधित व्यय राशि 12415.09 लाख / 124.15 करोड़ रुपये का अनुमोदन सर्व सम्मति से किया गया। कमेटी द्वारा सेविंग के अन्दर ही व्यय किये जाने का सुझाव भी दिया गया।</p>	
<p>Agenda No.3</p>	<p>विज्ञान भवन हेतु बजट प्रावधान के स्थगन बाबत। विगत वित्त समिति दिनांक 26.03.2025 के एजेंडा संख्या 03 द्वारा विज्ञान भवन के लिए 67 करोड़ रुपये के व्यय का अनुमोदन किया गया था। पूर्व के चल रहे निर्माण कार्यों के भारी दायित्व एवं सरकार से कोई अनुदान प्राप्त नहीं होने के कारण विज्ञान भवन का कार्य प्रारम्भ किया जाना इस वर्ष संभव प्रतीत नहीं हो पा रहा है। अतः सरकार के स्तर पर स्वीकृति एवं अनुदान स्वीकृति प्राप्त होने तक उक्त व्यय प्रस्ताव को स्थगित किया जाना प्रस्तावित है।</p>	<p>विज्ञान भवन का कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है। यथा स्थिति में रोक दिया गया है।</p>
<p>निर्णय</p>	<p>कमेटी द्वारा विज्ञान भवन का निर्माण कार्य का प्रस्ताव स्थगित किये जाने का सर्व सहमति से अनुमोदन किया गया। साथ ही राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त होने पर पुनर्विचार भी किये जाने का सुझाव किया गया।</p>	
<p>Agenda No.4</p>	<p>स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं हेतु बस संचालन की अनुमोदन बाबत। विश्वविद्यालय परिसर के भरतपुर संभाग मुख्यालय से लगभग 25KM दूर होने एवं ग्रामीण इलाके में होने के कारण तथा विश्वविद्यालय में अस्थायी एवं न्यून वेतन भोगी होने के कारण विश्वविद्यालय द्वारा स्टाफ के लिए एक बस (52 सीटर) एवं विद्यार्थियों के लिए 01 पृथक बस (52 सीटर) की निःशुल्क व्यवस्था वर्ष 2020-21 माह अक्टूबर से की जा रही है जो कि वर्ष 2025-26 तक के लिए विस्तारित किये जाने हेतु एजेंडा अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।</p>	<p>बसों का संचालन किया जा रहा है।</p>
<p>निर्णय</p>	<p>भरतपुर शहर से विश्वविद्यालय की दूरी को देखते हुये छात्रों एवं स्टाफ को निःशुल्क यात्रा व्यवस्था किये जाने की स्वीकृति सर्व सम्मति से दी गयी।</p>	

Agenda No.5	<p>ऑन स्क्रीनिंग मूल्यांकन व्यवस्था के स्थगन बाबत।</p> <p>वित्तीय वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं की जांच डिजीटल/ऑन स्क्रीन मूल्यांकन प्रविधि से कराये जाने का निर्णय लिया गया था। तदनुसार रुपये 08 करोड़ की निविदा कर, न्यूनतम दर दाता फर्म को कार्यादेश दिया गया। तथापि उक्त प्रविधि के क्रियान्वयन में धरातल पर कुछ व्यावहारिक समस्याएं उत्पन्न हुईं। जैसे की ऑन स्क्रीन मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों की अपर्याप्त संख्या, अनेक परीक्षकों द्वारा डिजीटल मूल्यांकन प्रविधि के साथ सहज न होने, एवं इसके प्रशिक्षण का अभाव जाहिर करना सीमित अवधि के कारण एवं देरी से चल रहे परीक्षा सत्र को समयानुसार करने में परम्परागत मूल्यांकन पद्धति से सहायक सिद्ध होने के आलोक में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निविदा के डिजीटल मूल्यांकन पार्ट को एक साल के लिये स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उपरोक्त बदलाव से विश्वविद्यालय हित में राजकीय धन की बचत एवं परीक्षा सत्र को समयबद्ध किये जाने में आसानी रहेगी। प्रस्ताव वित्त समिति का अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।</p>	ऑनस्क्रीन मूल्यांकन कार्य रोकें जाने के आदेश जारी कर दिये गये हैं।
निर्णय	परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं का डिजीटल मूल्यांकन किये जाने का कार्य एक वर्ष हेतु स्थगित किये जाने की स्वीकृति सर्वसम्मति से अनुमोदित की गयी।	
Agenda No.6	<p>अंकेक्षण रिपोर्ट 2022-23 (स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग) वित्त समिति के समक्ष रिपोर्ट किए जाने बाबत।</p> <p>विश्वविद्यालय की वित्तीय वर्ष 2022-23 के वित्तीय लेखों की अंकेक्षण रिपोर्ट (स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग) सदन को प्रस्तुत कर अवलोकनार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।</p>	अंकेक्षण रिपोर्ट की प्रथा अनुपालना विभाग को भेज दी गई है।
निर्णय	स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग, क्षेत्रीय भरतपुर के अंकेक्षण प्रतिवेदन/रिपोर्ट वर्ष 2022-23 का अनुमोदन सर्व सम्मति से किया गया।	

कर अंकेक्षक (CA) की नियुक्ति यावत्।

Agenda
No.7

विश्वविद्यालय के लेखों का कर अंकेक्षण विगत तीन वर्षों से श्री अभिषेक जैन के द्वारा किया जा रहा है। अतः अंकेक्षक नवीनीकरण/बदले जाने हेतु पैनल गठन किया जाकर माननीय कुलपति महोदय के निर्णय अनुसार नियुक्त किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही साथ बढ़ते खर्चों व बुक साइज को देखते हुए अंकेक्षक का मानदेय 02.00 लाख प्रतिवर्ष की सीमा तक अनुमोदित किया जाना प्रस्तावित है।

निर्णयानुसार
श्री.ए. अंकेक्षक
की नियुक्ति कर
दी गई है।

निर्णय

अंकेक्षण का मानदेय एक लाख रुपये प्रतिवर्ष किये जाने की रवीकृति सर्व सम्मति से अनुमोदन किया गया।

—
क.सू.ब.वि. कुम्हेर

कुलसचिव
म.सू.ब.वि. कुम्हेर
भरतपुर



महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय

चक सकीतरा, कुम्हेर, भरतपुर-321201

Email – affiliation_btp@msbrijuniversity.ac.in, Website – www.msbrijuniversity.ac.in

क्रमांक :- प.3(14)मसूबृवि/सम्बद्धता/2025/2092

दिनांक : 20/11/2025

निरीक्षण मण्डल बैठक दिनांक 15.11.2025 का कार्यवाही विवरण

दिनांक 15.11.2025 को निरीक्षण मण्डल की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए तथा निम्नलिखित एजेंडा बिन्दुओं पर विचार एवं निर्णय किया गया-

1. श्री च्यवन सिंह जोरवाल – कुलसचिव, मसूबृवि, भरतपुर।
2. डॉ. नीलू गोयल – संकायाध्यक्ष, विधि संकाय, राजकीय विधि महाविद्यालय, धौलपुर।
3. डॉ. एम.के. सिंह – संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, बाडी, धौलपुर।
4. डॉ. योगेन्द्र भानु – संकायाध्यक्ष, फाइन आर्ट्स, राजकीय महारानी श्री जया महाविद्यालय, भरतपुर।
5. डॉ. सुरेन्द्र सिंह सिनसिनवार – संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, प्राचार्य, आनन्द बी.एड महाविद्यालय, भरतपुर।
6. डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय – उप कुलसचिव, मसूबृवि, भरतपुर।
7. श्री प्रशांत कुमार – सहायक कुलसचिव, प्रभारी सम्बद्धता/अकादमिक-II, BOI समन्वयक मसूबृवि, भरतपुर।

एजेंडा बिन्दु सं.	कार्यवाही विवरण															
1.	BOI की विगत बैठक का आयोजन दिनांक 27.04.2024 को किया गया। बैठक में हुए निर्णयों की पालना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।															
2.	<p>रिपोर्टिंग बिंदु-</p> <p>(i) विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में आने वाले ऐसे महाविद्यालय जिनके अनापत्ति प्रमाण पत्र आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, जयपुर द्वारा जारी नहीं किए गए तथा महाविद्यालयों द्वारा सत्र 2024-25 में महाविद्यालय बन्द करने तथा अध्ययनरत छात्रों को अन्य महाविद्यालयों में स्थानान्तरित करने हेतु आवेदन किया गया। इन महाविद्यालयों के छात्रों को अन्य महाविद्यालयों में विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित सीटों की सीमा (Cap) के अन्तर्गत ही रिक्त सीटों पर स्थानान्तरित किया गया है। उक्त महाविद्यालयों का विवरण निम्नानुसार है-</p>															
	<table border="1"><thead><tr><th>क्र.स.</th><th>महाविद्यालय नाम (बन्द हुए महाविद्यालय)</th><th>महाविद्यालय नाम (जिसमें छात्र स्थानान्तरित किए गए)</th></tr></thead><tbody><tr><td>1.</td><td>पं. उमादत्त गर्ल्स कॉलेज, उमानगर, धौलपुर</td><td>एस.एन. कॉलेज ऑफ साइन्स, बाडी रोड, धौलपुर</td></tr><tr><td>2.</td><td>धौलपुर कॉलेज आफ आर्ट्स एण्ड साइन्स, धौलपुर</td><td>एस.एन. कॉलेज ऑफ साइन्स, बाडी रोड, धौलपुर।</td></tr><tr><td>3.</td><td>श्री विजयस्थली विद्यापीठ महिला महाविद्यालय, कुम्हेर</td><td>श्री रतनसिंह बॉयज कॉलेज, कुम्हेर, भरतपुर</td></tr><tr><td>4.</td><td>श्री बालाजी डिग्री कॉलेज, भरतपुर</td><td>जी.आई.एम.टी. महाविद्यालय, अग्रसेन नगर, भरतपुर</td></tr></tbody></table>	क्र.स.	महाविद्यालय नाम (बन्द हुए महाविद्यालय)	महाविद्यालय नाम (जिसमें छात्र स्थानान्तरित किए गए)	1.	पं. उमादत्त गर्ल्स कॉलेज, उमानगर, धौलपुर	एस.एन. कॉलेज ऑफ साइन्स, बाडी रोड, धौलपुर	2.	धौलपुर कॉलेज आफ आर्ट्स एण्ड साइन्स, धौलपुर	एस.एन. कॉलेज ऑफ साइन्स, बाडी रोड, धौलपुर।	3.	श्री विजयस्थली विद्यापीठ महिला महाविद्यालय, कुम्हेर	श्री रतनसिंह बॉयज कॉलेज, कुम्हेर, भरतपुर	4.	श्री बालाजी डिग्री कॉलेज, भरतपुर	जी.आई.एम.टी. महाविद्यालय, अग्रसेन नगर, भरतपुर
क्र.स.	महाविद्यालय नाम (बन्द हुए महाविद्यालय)	महाविद्यालय नाम (जिसमें छात्र स्थानान्तरित किए गए)														
1.	पं. उमादत्त गर्ल्स कॉलेज, उमानगर, धौलपुर	एस.एन. कॉलेज ऑफ साइन्स, बाडी रोड, धौलपुर														
2.	धौलपुर कॉलेज आफ आर्ट्स एण्ड साइन्स, धौलपुर	एस.एन. कॉलेज ऑफ साइन्स, बाडी रोड, धौलपुर।														
3.	श्री विजयस्थली विद्यापीठ महिला महाविद्यालय, कुम्हेर	श्री रतनसिंह बॉयज कॉलेज, कुम्हेर, भरतपुर														
4.	श्री बालाजी डिग्री कॉलेज, भरतपुर	जी.आई.एम.टी. महाविद्यालय, अग्रसेन नगर, भरतपुर														

	5.	श्री गांधी ज्योति महिला महाविद्यालय, भुसावर भरतपुर	श्री एस.एन. कॉलेज, हलैना, वैर, भरतपुर
निर्णय	सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।		
	(ii) इस सत्र में जितने शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों ने सम्बद्धता शुल्क सहित आवेदन किया एवं जिन्हें सत्र 2024-25 में सम्बद्धता जारी कर दी गई थी, की सूची पीटीईटी समन्वयक को पीटीईटी काउंसलिंग बाबत प्रेषित कर दी गई। बिंदु अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।		
निर्णय	सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।		
3.	<p>सत्र 2025-26 हेतु सम्बद्धता अधिसूचना पत्रांक 616 दिनांक 12.06.2025 मय विलम्ब शुल्क अंतिम दिनांक 03.07.2025 की पालना में 172 महाविद्यालयों के आवेदन प्राप्त हुए। जिन महाविद्यालयों के द्वारा स्थाई सम्बद्धता, सीट अभिवृद्धि, संकाय अभिवृद्धि एवं नवीन सम्बद्धता हेतु आवेदन किया है उन महाविद्यालयों के भौतिक निरीक्षण कराए जा रहे हैं।</p> <p>शेष महाविद्यालय जिनके द्वारा पूर्व में संचालित पाठ्यक्रमों में मात्र वार्षिक अभिवृद्धि चाही गई है उन महाविद्यालयों को सम्बद्धता जारी किए जाने के सम्बन्ध में निर्णय लिया जाना प्रस्तावित है। इसी क्रम में छात्रवृत्ति पोर्टल पर कोर्स मैपिंग कराने की कार्यवाही जो कि पहले महाविद्यालय द्वारा आवेदन किया जाना एवं तत्पश्चात् इसका सत्यापन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाना है, की प्रक्रियात्मक समयावधि को भी ध्यान में रखा जाना आवश्यक है। जैसा विदित है कि महाविद्यालय द्वारा कोर्स मैपिंग का कार्य बिना सम्बद्धता आदेश जारी हुए नहीं कराया जा सकता। जिसके अभाव में बहुसंख्यक कॉलेजों के विद्यार्थी राज्य सरकार व अन्य स्रोतों से प्राप्त होने वाली छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं कर सकते हैं।</p>		
निर्णय	सत्र 2025-26 हेतु आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं पूर्ण सम्बद्धता शुल्क प्रस्तुत करने वाले महाविद्यालयों से समस्त कमियों की पूर्ति का शपथ पत्र प्रस्तुत करने की शर्त पर सम्बद्धता अभिवृद्धि आदेश जारी किये जाने की अनुशंसा की गई।		
4.	<p>सम्बद्धता शुल्क वापसी के सम्बन्ध में कुछ ऐसे महाविद्यालयों के प्रकरण आये हैं जिनके द्वारा विगत वर्षों में सम्बद्धता आवेदन विलम्ब शुल्क (शास्ति) के साथ जमा किये थे। ऐसे प्रकरणों में महाविद्यालय को आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा से अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं होने के कारण महाविद्यालय द्वारा बाद में आवेदन निरस्त कराए जाने एवं सम्बद्धता शुल्क वापसी का आग्रह किया गया।</p> <p>इस स्थिति में विश्वविद्यालय के सम्बद्धता नियमों आदेश क्रमांक प. 3(11)/मसूबूवि/अकाद/2017/2010 दिनांक 09.10.2017 में उल्लेखित सम्बद्धता राशि वापसी नियमों में सम्बद्धता शुल्क की कटौतियों के नियम तो स्पष्ट हैं परन्तु शास्ति पर कटौती का कोई प्रावधान पृथक से अंकित न होने के कारण स्पष्टता का अभाव है।</p> <p>इस अनुक्रम में बिन्दु संख्या 9 में नवीन उपबिन्दु - 9.6 सम्बद्धता शुल्क के साथ जमा शास्ति वापसी के संबंध में - बिन्दु निर्णयार्थ प्रस्तावित है।</p>		
निर्णय	निरीक्षण मण्डल सदस्यों ने इस बावत वित्त विभाग के नियमों का भी अवलोकन करने हेतु सुझाव दिया। तथापि निर्णय किया गया कि जो कटौतियाँ मूल सम्बद्धता राशि में से किये जाने के प्रावधान हैं वही नियम शास्ति राशि पर लागू किये जावें।		
5.	(i) अंकेक्षण दल ने यह सुझाव दिया है कि प्रत्येक वर्ष सम्बद्धता की अलग-अलग पत्रावलियां बनाने के स्थान पर प्रत्येक महाविद्यालय की एक मूल पत्रावली रखी जाए और प्रत्येक सत्रों के शुल्क एवं स्टाफ सहित अन्य बदलावों का विवरण मूल पत्रावली में ही जोड़कर संधारित किया जावे।		
निर्णय	महाविद्यालयों द्वारा नवीन परिवर्तनों से विश्वविद्यालय से अवगत कराते हुए दस्तावेज प्रस्तुत कराने के साथ मूल पत्रावली बनाने की अनुशंसा की गई।		
	(ii) अंकेक्षण दल द्वारा यह भी सुझाव दिया गया है कि प्रत्येक महाविद्यालय का पृथक-पृथक आदेश		

	जारी किए जाने के स्थान पर एक ही सूची जारी की जावे।
निर्णय	सर्वसम्मति से अनुशंसा की गई। जिन महाविद्यालयों को NAAC Accreditation हेतु पृथक से एकल सम्बद्धता आदेश की आवश्यकता होती है, विश्वविद्यालय द्वारा उन महाविद्यालयों के पृथक सम्बद्धता आदेश भी जारी किये जावें।
6.	सामान्य तौर पर राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर में महाविद्यालयों के सम्बद्धता निरीक्षण हेतु पूर्व से ही शिक्षकों के पैनल तैयार कर लिये जाते हैं, जिन्हें निरीक्षण मंडल के माध्यम से माननीय कुलपति महोदय द्वारा अनुमोदित कराया जाता है। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय में राजस्थान विश्वविद्यालय की भाँति स्थाई शिक्षक नियुक्त न होने एवं क्षेत्राधिकार में आने वाले सम्बद्ध राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों की नियुक्तियां स्थानान्तरण व्यवस्था अन्तर्गत (Transferable Post) होने के कारण किसी निरीक्षण पैनल के स्थान पर कॉलेज वार भौतिक निरीक्षण दल गठित/नामित करने का अधिकार माननीय कुलपति महोदय के पास सुरक्षित रहना प्रस्तावित है।
निर्णय	सर्वसम्मति से अनुशंसा की गई। यह भी सुझाव दिया गया कि भौतिक निरीक्षण दल महाविद्यालय में चलने वाले पाठ्यक्रमों की विशेषज्ञता रखने के अनुरूप ही गठित किये जावें।
टेबल एजेंडा	निरीक्षण मण्डल सदस्य डॉ. सुरेन्द्र सिंह सिनसिनवार द्वारा NAAC Grading के सम्बन्ध में बिन्दु प्रस्तुत किया गया।
निर्णय	निरीक्षण मण्डल के सदस्य डॉ. सुरेन्द्र सिंह सिनसिनवार द्वारा अवगत कराया गया कि जिन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों को 200 सीट है ऐसे महाविद्यालयों को NCET द्वारा NAAC Grading कराना आवश्यक है। शेष निरीक्षण मण्डल सदस्यों द्वारा उक्त के सम्बन्ध में NCET के नियमों एवं परिनियमों का अवलोकन कर उक्त के अनुरूप कार्यवाही किये जाने की अनुशंसा की।

O/C
A/S




कुलसचिव

महाराजा सूरजमल शोध एवं अध्ययन केन्द्र (महाराजा सूरजमल चैयर)

उद्देश्य:-

(1.) ऐतिहासिक अनुसंधान -

- (A) महाराजा सूरजमल के जीवन, उनकी सैन्य रणनीतियाँ, शासन व्यवस्था एवं उनके योगदान के अतिरिक्त तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक परिदृश्य का अध्ययन ।
- (B) भरतपुर राज्य की स्थापना से लेकर उसके विकास एवं पतन तक के इतिहास का विस्तृत विश्लेषण ।
- (C) विरासत के प्रतीकों—महल, दुर्ग एवं मंदिर आदि सांस्कृतिक विरासत के प्रतीकों का अध्ययन ।
- (D) सम्पूर्ण भरतपुर क्षेत्र (भरतपुर, डीग एवं धौलपुर) का प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के इतिहास का विश्लेषण ।
- (E) बृज संस्कृति, लोक कथाओं एवं परम्पराओं का दस्तावेजीकरण एवं संरक्षण ।

(2) शैक्षणिक कार्यक्रम एवं प्रकाशन -

(1) शोध एवं अकादमिक गतिविधियाँ -

- (A) महाराजा सूरजमल एवं भरतपुर के अन्य राजाओं, बृज संस्कृति एवं भरतपुर क्षेत्र के पुरातत्व सम्बन्धी विषयों पर पीएच.डी एवं शोध कार्य । सेमिनार एवं वर्कशाप का आयोजन ।
- (B) शोधार्थियों के लिये पुस्तकालय एवं अभिलेखागार की स्थापना ।
- (C) शोधपत्रों, पुस्तकों एवं शोध-पत्रिका का प्रकाशन ।

(2) सांस्कृतिक धरोहर एवं समाज से जुड़ाव -

- (A) महाराजा सूरजमल एवं बृज संस्कृति पर आधारित संग्रहालय की स्थापना ।
- (B) स्थानीय समुदायों से मिलकर लोककलाओं शिल्प एवं पारम्परिक ज्ञान का प्रोत्साहन
- (C) भरतपुर क्षेत्र के सांस्कृतिक केन्द्रों को प्रकाश में लाना एवं सांस्कृतिक पर्यटन को प्रोत्साहन ।

केन्द्र का प्रबन्धन:-

केन्द्र के सुचारु संचालन के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य एवं कुशल कार्मिकों की आवश्यकता।

(1) निदेशक-

केन्द्र के समग्र प्रबन्धन के नेतृत्व, शैक्षणिक अनुसंधान की नीतियों को निर्धारित करने एवं प्रमुख परियोजनाओं की देखरेख के लिए निदेशक का पद

i निदेशक की योग्यता एवं वेतनमान - प्रोफेसर (इतिहास) (महाराजा सूरजमल चेयर), वेतन
L-14

ii शोध सहायक 1- योग्यता -NET, पीएच.डी., वेतन L-10

iii पुस्तकालयाध्यक्ष-1

iv सहायक कर्मचारी-1

v तकनीकी सहायक-1

vi चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी-1

बजट-

आवश्यकतानुसार बजट स्वीकृत किया जा सकेगा।

राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

प्रेषक :-

सचिव,
राज्यपाल राजस्थान
जयपुर।

प्रेषित :-

कुलसचिव,
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय,
भरतपुर।

क्रमांक: एफ.44(2)आरबी / 2025 / 5875

दिनांक: २४ अक्टूबर, 2025

महोदय,

राजभवन के आदेश क्रमांक 1401-1402 दिनांक 08 मार्च, 2023 के माध्यम से माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय द्वारा महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर में प्रो. रमेश चन्द्रा को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष या सत्तर वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने तक, इनमें से जो भी पहले हो, के लिए कुलपति नियुक्त किया गया। प्रो. रमेश चन्द्रा द्वारा कुलपति पद का कार्यभार दिनांक 09.03.2023 को ग्रहण किया गया। इस सचिवालय के आदेश क्रमांक 1596-1597 दिनांक 28 मार्च, 2025 द्वारा प्रो. रमेश चन्द्रा को कुलगुरु पद से निलम्बित किया गया है। प्रो. रमेश चन्द्रा (निलम्बित कुलगुरु) का 03 वर्ष का कार्यकाल दिनांक 08.03.2026 को पूर्ण होने जा रहा है।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के अधिनियम 2012 (यथा संशोधित) की धारा 11(3) के अन्तर्गत नये कुलपति की नियमित नियुक्ति के लिए एक खोजबीन समिति का गठन किया जाना अपेक्षित है। जिसमें विश्वविद्यालय के प्रबंध बोर्ड द्वारा एक सदस्य का मनोनयन किया जाना है।

अतः निवेदन है की महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के अधिनियम 2012 (यथा संशोधित) की धारा 11(3) के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के प्रबंध बोर्ड द्वारा नामनिर्देशित सदस्य का नाम, पद, पता, फोन नं., फैक्स नं. एवं ई-मेल की सूचना अतिशीघ्र भिजवाये जाने का श्रम करावें।

भवदीय,

(मुकेश कुमार कलाल)
उप सचिव
राज्यपाल, राजस्थान